RNI Regi. CHHHIN/2010/34686 दुर्ग, मार्च 2024 | वर्ष-17 | अंक-192 | पृष्ठ-40+4 | मूल्य-10 रुपये

लोक शिक्षण लोक जागरण की वैचारिक सम-सामयिकी मासिक पत्रिका

छत्तीसगढ़ आस-पास

(छत्तीसगढ़-मध्यप्रदेश)

डाक पंजीकृत संख्या : छ.ग./दुर्ग संभाग/72/2022-2024 ISSN : 1948-2279-0993

महतारी वंदन योजना

70 लाख महिलाओं के खाते में 655 करोड़ ट्रांसफर

छत्तीसगढ़ सरकार की महत्वाकांक्षी महतारी वंदन योजना की पहली किस्त को जारी हो गई। पीएम नरेंद्र मोदी ने वर्चुअली 70 लाख महिलाओं के खाते में कुल 655 करोड़ रुपए ट्रांसफर किए।

Follow us in : Call on: 9424116987 E-MAIL: pradeepcaap@gmail.com LOG ON: www.chhattisgarhaaspaas.com

सेल SAIL

सिंगल यूज प्लास्टिक
SINGLE USE PLASTIC

Great Place To Work® Certified DEC 2023 – DEC 2024 INDIA

STOP

START

#SwitchToSteel

सिंगल-यूज प्लास्टिक क्या है?

- एक बार इस्तेमाल कर फेंक दिये जाने वाला प्लास्टिक ही सिंगल-यूज प्लास्टिक कहलाता है।

प्लास्टिक बॉटल का उपयोग न करें

प्लास्टिक ग्लास के के स्थान पर स्टील के ग्लास रखें

प्लास्टिक चम्मचों या अन्य कटलरी स्थान पर स्टील की कटलरी रखें

पालीथीन बैग को न ले, साथ में कपड़े का थैला रखें

खाने पीने की सामग्री में प्लास्टिक से बनी वस्तुओं का प्रयोग न करें

स्टील उत्पादों का अधिक से अधिक प्रयोग करें

प्लास्टिक से बनी वस्तुओं का प्रयोग न करें

पर्यावरण को बचाएं

स्टील अथॉरिटी ऑफ इण्डिया लिमिटेड
STEEL AUTHORITY OF INDIA LIMITED
भिलाई इस्पात संयंत्र
BHILAI STEEL PLANT

ISSN : 1948-2279-0993

Regi.No.-CHHHIN/2010/34686

हिन्दी मासिक पत्रिका

छत्तीसगढ़ आसपास

■ वर्ष : 17 ■ अंक : 192 ■ मार्च 2024

मुद्रक-प्रकाशक-प्रधान संपादक
श्रीमति शेफाली भट्टाचार्य

संपादक
प्रदीप भट्टाचार्य

सलाहकार
आलोक कुमार चंदा

पॉलिटिकल एडिटर
संजय कुमार मिश्र

संपादक मंडल

श्रीमती संतोष झांझी
डॉ. नलिनी श्रीवास्तव
डॉ. सोनाली चक्रवर्ती
डॉ. अंजना श्रीवास्तव
डॉ. बलदाऊ राम साहू
संध्या श्रीवास्तव
गोविंद पाल
पल्लव चटर्जी
प्रकाश चंद्र मण्डल
पी. भानुजी राव
अरुण पंडा
परसराम साहू गुरुजी
ठाकुर दशरथ सिंह भुवाल
रामबरन कोरी 'कशिश'
राकेश शर्मा
महेन्द्र मिश्रा
राजन कुमार सोनी

ब्यूरो प्रमुख

डॉ. नौशाद सिद्दीकी
सुरेश वाहने
शमशीर सिवानी

कार्यालय
शेफाली मीडिया पब्लिकेशन ग्रुप

■ 6/बी/6/सेक्टर-6, भिलाई नगर
■ 6/डी/10/सेक्टर-5, भिलाई नगर
जिला-दुर्ग (छ.ग.) पिन-490006
दूरभाष : 09424116987, 0788-2227374
Email : pradeepcaap@gmail.com

मुद्रण

सत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती शेफाली भट्टाचार्य द्वारा राजहंस प्रिंटर्स, 184, न्यू सिविक सेंटर, भिलाई (छ.ग.) से मुद्रित तथा क्वा. नं. 6/बी, सड़क नं.-6, सेक्टर-6, भिलाई नगर, जिला-दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित।

संपादक : प्रदीप भट्टाचार्य (संपादकीय टीम पूर्णतः अवैतनिक है।)

संबंद्ध

छत्तीसगढ़ प्रेस कांउसिल छत्तीसगढ़
पंजीयन क्रं. : 2984

भीतर

20 महतारी वंदन योजना की पहली किस्त जारी

कवर स्टोरी...

मोदी ने आगे कहा कि, आप सबके खाते में अब हर महीने बगैर परेशानी के पैसा आता रहेगा, ये मेरा भरोसा है छत्तीसगढ़ की बीजेपी की सरकार पर। मैं गारंटी देता हूं। जब माताएं-बहने सशक्त होती हैं, तो पूरा परिवार सशक्त होता है। डबल इंजन सरकार की प्राथमिकता माताओं-बहनों का कल्याण है। रायपुर के साइंस कॉलेज ग्राउंड में आयोजित मुख्य कार्यक्रम में....

नोट : पत्रिका में प्रकाशित लेखों और फोटो के लिए **छत्तीसगढ़ आसपास** की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। संपादक की सहमति इसमें अनिवार्य नहीं है। लेखों में व्यक्त विचार लेखकों के निजी विचार हैं। फोटो का उपयोग सिर्फ लेखों के लिए किया गया है। पत्रिका से संबंधित किसी भी विवाद का न्याय क्षेत्र दुर्ग (छत्तीसगढ़) होगा।

70 लाख महिलाओं का वंदना...

राजनीति में वह फायदे में रहता है जो सत्ता में रहता है। क्योंकि वह जनता से वादा कर वादा पूरा कर चुका होता है। इसलिए चुनाव में उसे ज्यादा फायदा होता है। लोकसभा चुनाव जल्द होने वाले हैं। इसके लिए राज्यों में जहां भाजपा की सरकार है वह फायदे में है क्योंकि वह विधानसभा चुनाव में किए वादे कर कांग्रेस से बहुत आगे चल रही है। साय सरकार ने तीन माह में बड़ी तेजी से काम किया है,लोगों को उसका फायदा भी हुआ है। इसलिए वह सहजता से दावा कर रही है कि कांग्रस किसानों व महिलाओं के लिए जो काम पांच साल में नहीं कर सकी,वह भाजपा की सरकार ने तीन महीनें में करके दिखा दिया है।

भाजपा ने विधानसभा चुनाव में वादा किया और लोकसभा चुनाव के पहले वादा पूरा कर जनता के बीच मोदी की गारंटी की साख को बरकरार रखा है। मोदी ने विधानसभा चुनाव के दौरान कहा कि उनकी गारंटी है, भाजपा ने जो वादे किए है, वह पूरे किए जाएंगे और रिकार्ड तीन माह में 20 से 18 वादे पूरे भी कर दिए हैं तो यह साय सरकार की बड़ी उपलब्धि हैं। इसका कोई जवाब कांग्रेस के पास नहीं है क्योंकि कांग्रेस ने तीन माह में सिर्फ किसानों का कर्जा माफ किया था।

मोदी की साख तो जनता के बीच पहले से ही है। अब जब राज्य सरकार ने अपने वादे पूरे कर दिए है तो मोदी के साथ भाजपा की साख भी बढ़ गई है। जिन लोगों को लाभ मिला है वह तो मानेंगे ही कि भाजपा व मोदी ने अपना वादा पूरा किया है, इसलिए वह लोकसभा चुनाव में भी भाजपा को वोट देंगे ताकि उनका मकान, बिजली, गैस, शौचालय, पानी की सुविधाि मिलती रहे। जो भी वादा कर रहा है कि लोकसभा चुनाव में हमारी सरकार बनी तो हम गरीब महिलाओं को एक लाख रुपए देंगे। उसकी तुलना में वह लोग ज्यादा भरोसे के होते हैं जो एक हजार रुपए महिलाओं को दे रहे है, साथ ही मकान, बिजली, पानी, इलाज, गैस, शौचालय की सुविधा भी दे रहे हैं। सीधी से बात है कि एक ने दे दिया है और एक अभी देने की बात कर रहा है तो स्वाभाविक है कि जनता तो उसके साथ ही खड़ी होगी जो उसे ज्यादा सुविधाएं दे रहा है।

कांग्रेस हर मामले में भाजपा से पिछड़ गई है चाहे वह प्रत्याशी घोषित करना हो,चुनाव तैयारी हो, वादों की घोषणा करना हो। कांग्रेस को देश की आधी आबादी और सबसे बड़े वोट बैंक महिलाओं का ख्याल तब आया है जब भाजपा महिलाओं को बहुत कुछ देकर उनको अपना पक्का वोट बैंक बना चुकी है। भाजपा की केंद्र सरकार व राज्यों की सरकार भी महिलाओं को बहुत कुछ दे चुकी है। यानी केंद्र सरकार तो दे ही रही है, राज्य सरकार भी दे रही है। कांग्रेस की सरकार तीन ही राज्यों मे है। इसलिए वह ज्यादातर राज्यों में कुछ कर ही नहीं पाई है इसका नुकसान उसे चुनाव में होगा।

आपका,
प्रदीप भट्टाचार्य
संपादक

आइये हिंदू नववर्ष विक्रम संवत 2081
का साथ मिलकर स्वागत करें ...

#BhilaiCanDo
Presents

एक शाम श्री राम खाटूश्याम के नाम

वर्ष : तृतीय

08 अप्रैल 2024

समय : शाम 7:00 बजे से

स्थान : सेक्टर-07
हाई स्कूल ग्राउंड भिलाई
जिला-दुर्ग (छ.ग.)

स्वाति मिश्रा
राम आएंगे तो अंगना सजाऊंगी फेम

शीतल पांडेय
श्याम जगत के प्रसिद्ध गायक
राम के है राम के थे, हम राम के रहेंगे फेम

आरु साहू
छत्तीसगढ़ी लोक गायिका

आयोजक
अतुल पर्वत
चेयरमैन
भिलाई कैन डू पर्वत फाउंडेशन

आप सभी सादर आमंत्रित हैं

विशेष आकर्षण : भव्य श्री खाटूश्याम दरबार
प्रभु श्री राम लला की सबसे बड़ी रंगोली
51000 दीप प्रज्वलन ,भव्य आतिशबाज़ी

चुनाव में बीजेपी के लिए छत्तीसगढ़ क्यों है *एमपी* से बड़ी चुनौती?

छत्तीसगढ़ के विधानसभा चुनाव में बीजेपी ने जीत दर्ज की थी, लेकिन वोट शेयर में कांग्रेस 4 फीसदी पीछे थी कई सीटों पर कांग्रेस मजबूत दिखी थी। इसलिए बीजेपी यहां ज्यादा फोकस कर रही है।

छत्तीसगढ़ में पिछले साल हुए विधानसभा चुनाव में बेशक भारतीय जनता पार्टी ने जीत दर्ज की हो, लेकिन आगामी लोकसभा चुनाव के लिए पार्टी यहां लगातार अपनी ताकत झोंक रही है। बीजेपी के लिए यहां जीत की राह इतनी आसान नहीं है, यही वजह है कि पार्टी के तमाम नेता यहां लगातार दौरा कर रहे हैं। इसके अलावा पीएम ने भी यहां सक्रियता बढ़ा दी है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने छत्तीसगढ़ में महतारी वंदन योजना का शुभारंभ कर दिया है जो पड़ोसी राज्य मध्य प्रदेश में लाडली बहना योजना की तर्ज पर शुरू की गई एक योजना है। पिछले साल हुए मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव में इस योजना ने बीजेपी को जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई थी। इसके अलावा इस महीने की शुरुआत में पीएम नरेंद्र मोदी ने भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान भिलाई सहित छत्तीसगढ़ में राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय महत्व के कुछ और शैक्षणिक संस्थानों का उद्घाटन किया था।

शाह ने पिछले महीने किया था दौरा

23 फरवरी को गृह मंत्री अमित शाह ने छत्तीसगढ़ का दौरा किया और बस्तर के कोंडागांव में बीजेपी कार्यकर्ताओं से मुलाकात की. उन्होंने राज्य के मध्य क्षेत्र जांजगीर में एक सार्वजनिक बैठक को भी संबोधित किया. पार्टी के कार्यकर्ता लगातार अलग-अलग जिलों में लोगों से संपर्क कर रहे हैं।

इन आठ सीटों ने उड़ाई बीजेपी की नींद

2019 के लोकसभा चुनावों में भाजपा ने छत्तीसगढ़ में 11 में से 9 सीटें जीती थीं, जो 2014 की तुलना में एक कम है. मध्य प्रदेश में पार्टी ने 2014 में 29 में से 27 सीटों पर जीत दर्ज की और 2019 में 28 सीटें जीतीं। 2019 के लोकसभा चुनावों में कांग्रेस ने छत्तीसगढ़ में कोरबा और बस्तर (अनुसूचित जनजाति) सीट पर जीत दर्ज की थी। भारतीय जनता पार्टी इस बार इन दोनों सीटों पर ज्यादा फोकस कर रही है। इसके अलावा बीजेपी के रडार पर दूसरी सीट जांजगीर चांपा (अनुसूचित जाति) है। यहां पार्टी ने 2019 में 15 लाख वोटों के अंतर से जीता था, लेकिन 2023 के विधानसभा चुनावों में नतीजे हैरान करने वाले रहे। भाजपा को इस लोकसभा सीट के तहत आने वाले आठ विधानसभा क्षेत्रों में से किसी में भी जीत नहीं मिली थी।

2018 के चुनाव में कांग्रेस ने दी थी मात

भाजपा ने 2018 के चुनाव में 32.97 प्रतिशत वोट शेयर के साथ 15 सीटें जीती थीं, जबकि विजयी कांग्रेस ने 43.04 प्रतिशत वोट और 68 सीटें जीती थीं। भले ही भाजपा ने 2023 में 46.27 प्रतिशत वोट और 54 सीटें जीतकर बड़ी वापसी की, फिर भी कांग्रेस 90 सदस्यीय विधानसभा में 35 सीटें जीतने और 42.23 प्रतिशत वोट हासिल करने में सफल रही।

मध्य प्रदेश में ज्यादा मजबूत है बीजेपी

इसके उलट मध्य प्रदेश में भाजपा ने 2023 में 163 सीटों के साथ 48.62 प्रतिशत वोट हासिल किए, जबकि कांग्रेस 40.45 प्रतिशत वोटों के साथ 66 सीटों पर सिमट गई। दूसरे शब्दों में, भाजपा नेतृत्व को पता है कि कांग्रेस भले ही 2023 का चुनाव हार गई हो, लेकिन वह मध्य प्रदेश की तुलना में छत्तीसगढ़ में बेहतर लड़ाई दे सकती है।

चुनाव में महंगाई को मुद्दा बनाएगी कांग्रेस, भाजपा गारंटियों से करेगी मुकाबला

लोकसभा चुनाव में विपक्ष के लिए महंगाई प्रमुख मुद्दा रहेगा। आम जन-जीवन से जुड़ी उपयोगी वस्तुओं में महंगाई को मुद्दा बनाकर कांग्रेस जनता के सामने पहुंचेगी।

लोकसभा चुनाव में विपक्ष के लिए महंगाई प्रमुख मुद्दा रहेगा। आम जन-जीवन से जुड़ी उपयोगी वस्तुओं में महंगाई को मुद्दा बनाकर कांग्रेस जनता के सामने पहुंचेगी। विपक्ष के इस मुद्दे से निपटने के लिए प्रदेश में सत्ता पक्ष के लोगों ने महंगाई का मुकाबला गारंटियों से करने की रणनीति बनाई है। ऐसी गारंटी जिसका प्रभाव आम आदमी पर पड़ा। कांग्रेस के महंगाई के मुकाबले भाजपा की मोदी गारंटी इस चुनाव में आमने-सामने होंगे।

कांग्रेस की रणनीति में जहां तेल, दाल, आटा से लेकर पेट्रोल-डीजल की महंगाई होगी, वहीं भाजपा 18 लाख पीएम आवास से लेकर किसानों के खाते में धान का बोनस, 3100 रुपये में धान खरीदी से लेकर महंतारी वंदन योजना के तहत डायरेक्ट बेनिफिट को लेकर जनता के सामने पहुंचेगी।

इस पूरे चुनावी मुद्दे में रसोई गैस सब्सिडी की गांरटी का पूरा नहीं होना कांग्रेस के लिए बड़ा मुद्दा है, लेकिन भाजपा ने इससे भी मुकाबला करने की रणनीति बनाई है। केंद्र सरकार ने मार्च महीने में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के मौके पर रसोई गैस में 100 रुपये की सीधी छूट का एलान किया, जिसके बाद प्रदेश में रसोई गैस की कीमतें 1000 रुपये से नीचे आ गई है।

चरम सीमा में महंगाई : आनंद

कांग्रेस संचार विभाग के प्रमुख सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि भाजपा के कायर्काल में महंगाई चरम सीमा पर पहुंच गई। लोकसभा चुनाव में यह प्रमुख मुद्दा रहेगा। पेट्रोल-डीजल से लेकर रसोई गैस व अन्य मुद्दों को लेकर हम जनता के बीच जाएंगे। युवा रोजगार का इंतजार कर रहे हैं। युवाओं के लिए सरकार के पास किसी प्रकार की कोई योजना नहीं है।

50 हजार करोड़ सीधे खाते में : केदार

तीन महीने के भीतर राज्य सरकार ने अपने वादे पूरे तरते हुए 50 हजार करोड़ रुपये लोगों के खाते में भेजे हैं। मनमोहन सरकार के कायर्काल में महंगाई की दर 7.8 प्रतिशत थी, जो कि मोदी सरकार में 10 साल बाद घटकर 5.4 प्रतिशत रह गई है। भारत की जीडीपी तेजी से आगे बढ़ रही है। बेहतर आर्थिक नीति की वजह से आयात घटा है और निर्यात बढ़ा है।

बड़ी गारंटियों को पूरा किया है : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा है कि तीन महीनों में हमने बड़ी गारंटियों को पूरा किया है। डबल इंजन की सरकार में अभी जनता के लिए काफी कुछ है। भाजपा सरकार ने आदिवासी क्षेत्रों में तेंदूपत्ता संग्राहकों से लेकर किसान, युवा और महिलाओं के लिए डायरेक्ट बेनिफिट योजना के लिए डीबीटी के माध्यम से सीधे उनके खाते में राशि भेजी है। केंद्र सरकार ने हजारों करोड़ों की परियोजनाओं का शुभारंभ प्रदेश में किया है।

महंगाई, बेरोजगारी, किसान होंगे मुद्दे : नेता प्रतिपक्ष

लोकसभा चुनाव में कांग्रेस राष्ट्रीय मुद्दे महंगाई, बेरोजगारी, किसानों का मुद्दा बनाएगी। महंगाई का आलम यह है कि हर जरूरी वस्तुएं टैक्स की दायरे में आ चुकी है। खाद्य सामग्रियों में महंगाई अधिकतम सीमा तक पहुंच चुकी है। पेट्रोल-डीजल की कीमतों से आम आदमी को राहत नहीं मिल सकी है। भाजपा का रसोई गैस सब्सिडी का वादा अभी तक अधूरा है। महतारी वंदन योजना में कई महिलाएं अभी भी पहली किस्त से इंतजार में हैं।

20 गारंटियों में से 14 पर लगी मुहर

विष्णुदेव साय सरकार के तीन माह पूरे

प्रदेश में भाजपा सरकार के तीन माह पूरे हो चुके हैं। सरकार ने अपनी 20 में से 14 गारंटियों को अब तक पूरा कर दिया है।

भाजपा सरकार के कार्यकाल को बीते 13 मार्च को तीन महीने पूरे हो गए हैं। 2023 के विधानसभा चुनाव के बाद 13 दिसंबर को विष्णुदेव साय सरकार ने शपथ ली थी। शपथ के बाद से ही प्रदेश में गारंटियों के पूरा होने का सिलसिला शुरू हो गया। भाजपा ने 20 में से 14 गारंटियों को लोकसभा चुनाव के पहले ही पूरा कर दिया है। इनमें सबसे महत्वपूर्ण महतारी वंदन योजना, 3100 रुपये में धान खरीदी, 18 लाख पीएम आवास,रामलला मंदिर दर्शन योजना लागू हो चुकी है, वहीं पीएससी परीक्षा घोटाले में सीबीआई जांच की अनुशंसा प्रमुख रूप से शामिल हैं।

इसके अलावा भाजपा ने 1,000 किमी लंबी शक्तिपीठ परियोजना, रामलला मंदिर दर्शन योजना, तेंदूपत्ता संग्राहकों को 5500 रुपये, बिरनपुर सीबीआई जांच, भूमिहीन खेतिहर मजदूरों को हर वर्ष 10 हजार रुपये की सहायता,दिल्ली एनसीआर की तर्ज पर स्टेट कैपिटल रीजन, दो साल धान का बकाया बोनस, पांच सालों तक गरीब परिवारों को फ्री में चावल, पत्ता संग्राहकों को 4500 रुपये बोनस पर भी मुहर लगा दी है। भाजपा पदाधिकारियों के मुताबिक सरकार ने 100 दिनों की कायर्योजना बनाकर जिम्मेदारी बांट दी है। इसी आधार पर मंत्रिमंडल ने भी योजनाओं को पूरा करने की रणनीति बनाई है।

रसोई गैस सब्सिडी का इंतजार

गारंटियों में अभी भी रसोई गैस में 500 रुपये की छूट का इंतजार महिलाओं को हैं। छात्रों के लिए मासिक ट्रैवल अलाउंस, भ्रष्टाचार के खिलाफ आयोग का गठन का वादा पूरा होना बाकी है। भाजपा सूत्रों के मुताबिक रसोई गैस को लेकर एलपीजी कंपनियों से चर्चा जारी है। शीघ्र ही इस गारंटी पर भी मुहर लगेगी।

किसानों को सबसे ज्यादा फायदा

राज्य में भाजपा सरकार ने अपनी गारंटियों में किसानों को सबसे ज्यादा फायदा पहुंचा है। 24.72 लाख किसानों के खाते में 12 मार्च को धान खरीदी की अंतर की राशि डीबीटी के माध्यम से भेजी गई। सरकार ने इसके लिए 13320 करोड़ रुपये का प्रावधान किया। इससे पहले किसानों को दो वर्ष के धान के बोनस के रूप में 3716 करोड़ रुपये व धान खरीदी के एवज में 30 हजार 68 करोड़ रुपये का भुगतान किया जा चुका है।

महतारी वंदन योजना के तहत 636.44 करोड़ का भुगतान

महतारी वंदन योजना के तहत प्रदेश की 68.53 लाख महिलाओं के खातों में 636.44 करोड़ रुपये का भुगतान किया जा चुका है। महिला एवं बाल विकास विभाग के अधिकारियों द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार योजना की शेष महिला हितग्राहियों के खातों में राशि का अंतरण प्रक्रियाधीन है। महतारी वंदन योजना के तहत एक-एक हजार रुपये डीबीटी के माध्यम से प्रतिमाह के मान से साल में 12 हजार रुपये महिला हितग्राहियों के बैंक खातों में अंतरित किए जाएंगे।

युवाओं को भी साधा

राज्य सरकार ने पीएससी घोटाले की सीबीआई जांच की अनुशंसा करने के साथ ही शिक्षक व पुलिस भर्ती प्रक्रिया शुरू करते हुए युवाओं को साधने का प्रयास किया है। भाजपा ने अपने घोषणा-पत्र में सरकारी विभागों में भर्तियों का वादा किया है।

मोदी की गारंटी के साथ-साथ 'हमने बनाया, हम ही संवारेंगे' का नारा बुलंद

हमने बनाया, हम ही संवारेंगे की नीति में छग भाजपा

छत्तीसगढ़ के लोकसभा के रण में आज भी अटल फैक्टर मायने रखता है। छत्तीसगढ़ के राज्य निर्माता भारत रत्न व पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने 25 वर्ष पहले वर्ष 1998-99 के लोकसभा चुनाव प्रचार के दौरान रायपुर के सप्रे शाला मैदान में कहा था-आप मुझे 11 सांसद दीजिए, मैं आपको छत्तीसगढ़ दूंगा। इसके बाद राज्य की जनता ने उन्हें 10 सीटें दिलाईं। राज्य का निर्माण हुआ। तब से लेकर आज तक कांग्रेस को लोकसभा चुनाव में अटल फैक्टर की काट नहीं मिल पाई है। पिछली बार 2019 के आम चुनाव में भाजपा को नौ और कांग्रेस को महज दो सीटें ही मिल पाई। ये स्थिति तब थी जब वर्ष 2018 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस ने भूपेश बघेल के नेतृत्व में प्रदेश की 90 विधानसभा सीटों में से कांग्रेस को 68, भाजपा को 15, बसपा को दो और जनता कांग्रेस छत्तीसगढ़ (जे) को पांच सीटें हासिल हुई थीं। अभी लोकसभा चुनाव 2024 के लिए भी भाजपा मोदी की गारंटी के साथ-साथ 'हमने बनाया, हम ही संवारेंगे' का नारा बुलंद कर रही है।

कांग्रेस दे रही 'न्याय की गारंटी'

कांग्रेस चुनाव प्रचार के दौरान युवाओं, किसानों, महिलाओं, श्रमिकों और आदिवासी समुदाय के लिए 'न्याय की गारंटी' देने की बात कर रही है। महिलाओं को एक लाख सालाना देने, किसानों के मुद्दे और एमएसपी की कानून गारंटी देने की बात कर रही है। वहीं बढ़ती महंगाई, बेरोजगारी, ट्रेनों का अनियमित संचालन, इलेक्ट्रोल बांड मामले में भाजपा को घेर रही है।

'हमने बनाया, हम ही संवारेंगे'

इसके पहले विधानसभा चुनाव के प्रचार के दौरान भी छत्तीसगढ़ के सूरजपुर जिले में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा था कि 'हमने बनाया, हम ही संवारेंगे'। उन्होंने कहा था कि भाजपा ने अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ का निर्माण किया था और इसीलिए आज पूरा छत्तीसगढ़ कह रहा है, 'भाजपा ने बनाया है,भाजपा ही संवारेगी।

अब मोदी की गारंटी भाजपा का मुद्दा

भाजपा मोदी की गारंटी के मुद्दे को लेकर जनता के बीच पहुंच रही है। इसके अलावा केंद्र सरकार द्वारा संविधान के अनुच्छेद 370 हटाने का मामला हो या फिर नागरिक संशोधन कानून यानी सीएए लागू करने का मामला। या फिर राम मंदिर का मुद्दा हो, तमाम मुद्दों के साथ देश को 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने के लक्ष्य को पूरा करने को लेकर पार्टी अपने विजन को साझा कर रही है।

18 लाख गरीब परिवार को घर देने की पहल

चुनाव में पीएम आवास हो सकते हैं गेमचेंजर

विपक्ष में रहते हुए भाजपा ने सड़क से लेकर सदन तक आवासहीनों का मुद्दा उठाया था और 2023 चुनाव में भाजपा की जीत के लिए यह बड़ा फैक्टर साबित हुआ है। 90 सीटों में से 54 पर जीत हासिल कर भाजपा ने भूपेश सरकार को सत्ता से बेदखल कर दिया। कांग्रेस को 35 और गोंडवाना गणतंत्र पार्टी को एक सीट हासिल हुई।

छत्तीसगढ़ में प्रधानमंत्री आवास योजना आने वाले लोकसभा चुनाव के लिए गेमचेंजर साबित हो सकती है। राज्य में भाजपा की विष्णुदेव साय सरकार ने प्रदेश के 18 लाख गरीबों के मकान निर्माण के काम में तेजी ला दी है। पूर्ववर्ती कांग्रेस की भूपेश बघेल सरकार में प्रदेश के 16 लाख गरीब आवास से इसलिए वंचित हो गए थे, क्योंकि राज्यांश की राशि नहीं मिल पाई थी।

आवास नहीं दे पाने से व्यथित होकर भूपेश कैबिनेट के मंत्री टीएस सिंहदेव ने पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग से त्याग पत्र तक दे दिया था। इसके बाद भाजपा इस मुद्दे को लगातार उठाती रही। विपक्ष में रहते हुए भाजपा ने सड़क से लेकर सदन तक आवासहीनों का मुद्दा उठाया था और विधानसभा चुनाव 2023 में भाजपा की जीत के लिए यह बड़ा फैक्टर साबित हुआ है।

विधानसभा की 90 सीटों में से 54 पर जीत हासिल कर भाजपा ने भूपेश सरकार को सत्ता से बेदखल कर दिया। कांग्रेस को 35 और गोंडवाना गणतंत्र पार्टी को एक सीट हासिल हुई। लोकसभा चुनाव में भाजपा को इसका फायदा मिल सकता है। प्रदेश की 11 लोकसभा सीटों में से पिछली बार भाजपा ने नौ और कांग्रेस ने दो सीट पर जीत हासिल की थी। इस बार भाजपा सभी 11 सीटों को जीतने के लक्ष्य को लेकर आगे बढ़ रही है।

विस की गारंटी आएगी लोकसभा में भी काम

भाजपा ने विधानसभा चुनाव 2023 से पहले जारी किए गए अपने संकल्प पत्र (घोषणा पत्र) को मोदी की गारंटी के रूप में सार्वजनिक किया था। इसमें 18 लाख घरों का निर्माण पूरा करने के लिए धन-राशि का आवंटन करने का वादा किया गया था।

केंद्र से चाहिए अब 15 लाख परिवारों के लिए बजट

18 लाख में से अभी केंद्र से छत्तीसगढ़ को 15 लाख परिवारों के आवास के लिए राशि चाहिए। इसके लिए राज्य सरकार ने केंद्र को प्रस्ताव भेज दिया है। आवास नहीं दे पाने से व्यथित होकर भूपेश कैबिनेट के मंत्री ने पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग से त्याग पत्र तक दे दिया था। विपक्ष में रहते हुए भाजपा ने सड़क से लेकर सदन तक आवासहीनों का मुद्दा उठाया था और 2023 में भाजपा की जीत के लिए यह बड़ा फैक्टर साबित हुआ है।

11 में से 10 सीटों पर महिला मतदाता पुरुषों से ज्यादा

चुनाव में भी निर्णायक भूमिका में होंगी महिला मतदाता

लोकसभा चुनाव में भी महिला मतदाता इस बार भी निर्णायक भूमिका में होंगी। विधानसभा की तर्ज पर लोकसभा में भी महिला मतदाता पुरुषों पर भारी रह सकती है। छत्तीसगढ़ में कुल मतदाताओं की संख्या 2 करोड़ 51 लाख 3 हजार 252 है।

लोकसभा चुनाव में भी महिला मतदाता इस बार भी निर्णायक भूमिका में होंगी। विधानसभा की तर्ज पर लोकसभा में भी महिला मतदाता पुरुषों पर भारी रह सकती है। छत्तीसगढ़ में कुल मतदाताओं की संख्या 2 करोड़ 51 लाख 3 हजार 252 हैं, जिसमें महिला मतदाता 1 करोड़ तीन लाख 32 हजार 115 व पुरुष मतदाताओं की संख्या 1 करोड़ 1 लाख 80 हजार 405 हैं। महिला मतदाताओं की संख्या ज्यादा होने के मामले पर निर्वाचन अधिकारियों का कहना है कि प्रदेशभर में जागरूकता कार्यक्रमों में महिलाएं बढ़-चढ़ हिस्सा ले रही है। वोटर आइडी बनवाने में भी महिलाओं की संख्या अधिक रही। लोकसभा चुनाव में भाजपा-कांग्रेस दोनों पार्टियों के लिए महिला मतदाता बड़ा फैक्टर साबित होंगी। छत्तीसगढ़ में भाजपा सरकार हाल ही में महिलाओं के लिए महतारी वंदन योजना की शुरुआत करते हुए बड़ा निर्णय ले लिया है, वहीं कांग्रेस ने इस लोकसभा चुनाव में महंगाई को मुद्दा बनाया है। दोनों पार्टियों ने महिलाओं को साधने के लिए रणनीति बना ली है।

रजिस्ट्रेशन ऑफ न्यूज पेपर (सेंट्रल) रूल्स 1956 के अंतर्गत

छत्तीसगढ़ आसपास पत्र के संबंध में स्वामित्व अन्य विवरण विषयक जानकारी

घोषणा

(फार्म-IV)(नियम-8)

1. पत्रिका का नाम	:	छत्तीसगढ़ आसपास
2. पत्रिका की भाषा	:	हिन्दी
3. प्रकाशन की आवधिकता	:	मासिक
4. स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक का नाम	:	श्रीमति शेफाली भट्टाचार्य
5. स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक का पता	:	क्वा. नं. 6/बी, सड़क नं.-6, सेक्टर-6, भिलाई नगर, जिला-दुर्ग (छ.ग.)
6. प्रकाशन का स्थान	:	क्वा. नं. 6/बी, सड़क नं.-6, सेक्टर-6, भिलाई नगर, जिला-दुर्ग (छ.ग.)
7. संपादक का नाम	:	प्रदीप भट्टाचार्य
8. मुद्रण का स्थान (कीपर)	:	राजहंस प्रिंटर्स, 184, न्यू सिविक सेंटर, भिलाई (छ.ग.)

मैं श्रीमति शेफाली भट्टाचार्य पति प्रदीप भट्टाचार्य एतद् द्वारा घोषणा करती हूं कि मेरे द्वारा दी गई जानकारी एवं विश्वास के अनुसार सत्य है।

दिनांक : 1 मार्च 2024 **(श्रीमति शेफाली भट्टाचार्य)**

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक

सिर्फ रायपुर लोकसभा में पुरुष मतदाता ज्यादा

प्रदेश की 11 सीटों के आंकड़ों पर गौर करें तो सिर्फ रायपुर लोकसभा सीट पर पुरुष मतदाता ज्यादा है। बाकी अन्य लोकसभा सीट सरगुजा, रायगढ़, जांजगीर-चांपा, कोरबा, बिलासपुर, राजनांदगांव, दुर्ग, महासमुंद, बस्तर व कांकेर में महिला मतदाता अधिक री है। रायपुर लोकसभा सीट में पुरुष मतदाता 11 लाख 73 हजार 167 है, वहीं महिला मतदाता 11 लाख 69 हजार 358 हैं। रायपुर लोकसभा में कुल 23 लाख 42 हजार 827 मतदाता हैं।

90 में से 57 सीट पर महिलाओं का दबदबा रहा

विधानसभा चुनाव में प्रदेश में महिला मतदाताओं की संख्या पर गौर करें तो प्रदेश की 90 में से 57 सीटों पर महिला वोटर ज्यादा रही, जबकि 33 सीटों में ही पुरुष मतदाताओं की संख्या ज्यादा थी। विधानसभा चुनाव के दौरान 2023 में पुरुषों की तुलना में 1 लाख 9 हजार 370 महिला वोटर अधिक रही थी, जबकि लोकसभा की स्थिति पर गौर करें तो प्रदेश में पुरुषों के मुकाबले महिला मतदाताओं की संख्या 1 लाख 51 हजार 710 अधिक है।

फैक्ट फाइल

सरगुजा-8,98,269-9,04,639
रायगढ़-9,04,335-9,24,654
जांजगीर-चांपा-10,27686-10,16699
कोरबा-8,00,063-8,09,877
बिलासपुर-10,48,603-10,36,778
राजनांदगांव-9,27,184-9,34,826
दुर्ग-10,34,454-10,38,133
रायपुर-11,73,167-11,69,358
महासमुंद-8,63,145-8,90,052
बस्तर-6,95,950-7,63,975
कांकेर-8,07,549-8,43,124
कुल- 1,01,80,405-1,03,32,115
कुल मतदाता- 2,05,13,252
(नोट-आंकड़े निर्वाचन कार्यालय से मिली जानकारी के मुताबिक)

लोकसभा चुनाव में छत्तीसगढ़ भाजपा का गढ़ रहा है मगर चार ऐसी सीटें हैं जो कि मध्यप्रदेश के जमाने यानी 25 वर्ष से अभेद्य हैं। कांग्रेस उन सीटों में भाजपा की काट नहीं ढूंढ नहीं पाई है।

लोकसभा चुनाव में छत्तीसगढ़ भाजपा का गढ़, *25 वर्ष से अभेद्य है बीजेपी के ये चार गढ़*

लोकसभा चुनाव में छत्तीसगढ़ भाजपा का गढ़ रहा है मगर चार ऐसी सीटें हैं जो कि मध्यप्रदेश के जमाने यानी 25 वर्ष से अभेद्य हैं। कांग्रेस उन सीटों में भाजपा की काट नहीं ढूंढ नहीं पाई है। इन सीटों से लोकसभा चुनाव जीतने वाले कई बड़े नेता शीर्ष पदों तक पहुंचे हैं। रायपुर लोकसभा सीट से सात बार के सांसद रहे रहे रमेश बैस वर्तमान में महाराष्ट्र के राज्यपाल हैं। राजनांदगांव लोकसभा सीट से वर्ष 1999 में पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह चुनाव जीते थे, सांसद बनने के बाद वह छत्तीसगढ़ में तीन बार और 15 साल तक मुख्यमंत्री रहे। रायगढ़ में चार बार के सांसद रहे विष्णुदेव साय वर्तमान में प्रदेश के मुख्यमंत्री हैं। प्रदेश के पहले मुख्यमंत्री अजीत जोगी भी कांग्रेस की टिकट पर महासमुंद सीट से 2004 में चुनाव जीत चुके हैं। केवल पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल अभी तक सांसद नहीं बन पाए हैं। हालांकि पार्टी ने उन्हें 2009 में रायपुर की सीट से सांसद की टिकट पर मैदान में उतारा लेकिन वह पराजित हो गए। इस चुनाव में एक बार फिर भूपेश बघेल राजनांदगांव लोकसभा सीट से चुनावी मैदान में हैं।

कांकेर लोकसभा

1998 से लगातार भाजपा कांकेर लोकसभा सीट ऐसी है जहां पर 1998 से अब तक लगातार भाजपा के प्रत्याशी जीत रहे हैं। लोकसभा चुनाव 1998, 1999, 2004 और 2009 में लगातार चार बार भाजपा नेता सोहन पोटाई चुनाव जीते। इसके बाद 2014 के चुनाव में विक्रम उसेंडी सांसद बने। पिछली बार 2019 के चुनाव में भाजपा के मोहन मंडावी ने लोकसभा चुनाव जीता था।

रायपुर लोकसभा

भाजपा की अजेय सीट रायपुर लोकसभा सीट भाजपा की अजेय सीट बन गई है। यहां वर्ष 1996,1998, 1999, 2004, 2009 और 2014 में लगातार भाजपा नेता रमेश बैस चुनाव जीते। पिछली बार 2019 में भाजपा के ही सुनील कुमार सोनी सांसद निर्वाचित हुए थे। इस सीट पर इसके पहले 1989 के चुनाव में भी रमेश बैस जीते थे। वह रायपुर से सात बार के विधायक रहे हैं।

बिलासपुर लोकसभा

1996 के बाद से कांग्रेस की एंट्री नहीं बिलासपुर लोकसभा सीट ऐसी सीट है जहां पर 1996 में भाजपा के पुन्नूलाल मोहले चुनाव जीते। इसके बाद वह लगातार 1998,1999 और 2004 के चुनाव में सांसद बने। 2009 के चुनाव में भाजपा ने मोहले की जगह दिलीप सिंह जूदेव को टिकट दिया और उन्होंने जीत दर्ज की। 2014 में लखन लाल साहू और 2019 में अरुण साव सांसद बने।

राजनांदगांव- उपचुनाव में कांग्रेस ने लगाई सेंध

1999 के चुनाव में पूर्व मुख्यमंत्री डा. रमन सिंह चुनाव जीते थे। इसके बाद 2004 में भी भाजपा के प्रदीप गांधी चुनाव जीते थे मगर 2007 के उप चुनाव में कांग्रेस के देवव्रत सिंह ने भाजपा के गढ़ में सेंध लगाने में सफलता हासिल की थी। इसके बाद 2009 में भाजपा के मधुसूदन यादव, 2014 में भाजपा के अभिषेक सिंह और 2019 के चुनाव में भाजपा के संतोष पांडेय सांसद निर्वाचित।

1998 में भाजपा ने खोला खाता, अभी कांग्रेस का कब्जा

1998 में भाजपा ने बस्तर लोकसभा सीट से जीत का खाता खोला और 2014 तक इस सीट पर किसी और को राज करने नहीं दिया। 1998 से लेकर 2011 तक भाजपा के टिकट पर बलिराम कश्यप ने यहां से लगातार चार बार जीत हासिल की और कांग्रेस को हराया, लेकिन 2011 में उनके निधन के बाद यहां उपचुनाव करवाए गए, जिसमें उनके बेटे दिनेश कश्यप और कवासी लखमा के बीच मुकाबला हुआ। कश्यप ने जीत दर्ज की। 2014 के चुनाव में भी दिनेश कश्यप ने अपनी जीत को बरकरार रखा और यहां से सांसद चुने गए। हालांकि 2019 के चुनाव में यहां कांग्रेस के दीपक बैज चुनाव जीते और इस गढ़ को भेद सके।

राज्य गठन के बाद यहां नहीं जीती कांग्रेस

रायगढ़: भाजपा के गढ़ को नहीं तोड़ पाई कांग्रेस रायगढ़ लोकसभा सीट भी भाजपा के ही खाते में रही है। यहां 1999 में वतर्मान मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय चुनाव जीते थे। वह लगातार चार बार 1999, 2004 , 2009 और 2014 के चुनाव में जीते। इसके बाद 2019 में यहां भाजपा नेत्री गोमती साय चुनाव जीतीं। अब तक यह सीट भाजपा के ही खाते में है।

पूर्व गृहमंत्री ताम्रध्वज ने तोड़ा था गढ़

दुर्ग: इस लोकसभा क्षेत्र में 1999 और 2004 के दो चुनाव में लगातार भाजपा के नेता ताराचंद्र साहू सांसद बने। इसके बाद 2009 में भाजपा की नेत्री सरोज पांडेय चुनी गईं। 2014 में भाजपा के इस गढ़ को भेदते हुए कांग्रेस के ताम्रध्वज साहू सांसद निर्वाचित हुए। पिछली बार 2019 के चुनाव में भाजपा के विजय बघेल चुनाव जीते जो कि मौजूदा सांसद हैं।

कोरबा लोकसभा

इस सीट पर कांग्रेस का ही वर्चस्व कोरबा लोकसभा सीट ऐसी है जो कि परिसीमन के बाद 2009 में अस्तित्व में आई है। इस सीट पर अब तक हुए तीन चुनाव में दो बार कांग्रेस की जीत हुई। 2009 में कांग्रेस के डा. चरण दास महंत, 2014 में भाजपा के डा. बंशीलाल महतो और 2019 के चुनाव में कांग्रेस की ज्योत्सना महंत जो कि अभी भी सांसद हैं, उन्होंने चुनाव जीता था।

महासमुंद लोकसभा

कांग्रेस के सामने वापसी की चुनौती महासमुंद लोकसभा क्षेत्र अविभाजित मध्यप्रदेश व राज्य गठन के बाद भी कांग्रेस के कब्जे में रही है। 1999 के चुनाव में कांग्रेस नेता श्यामाचरण शुक्ल और 2004 में प्रदेश के प्रथम मुख्यमंत्री व कांग्रेस नेता अजीत जोगी चुनाव जीते। इसके बाद से 2009 में भाजपा नेता चंदूलाल साहू, 2014 में दोबारा चंदूलाल साहू और 2019 के चुनाव में भी भाजपा के चुन्नीलाल साहू चुनाव जीते थे।

सरगुजा लोकसभा

इस लोकसभा चुनाव क्षेत्र में राज्य गठन के बाद से अब तक लगातार भाजपा के प्रत्याशी ही जीतते रहे हैं। राज्य गठन के पहले 1999 के चुनाव में कांग्रेस के खेलसाय सिंह सांसद बने थे। इसके बाद से 2004 के चुनाव में भाजपा के नंद कुमार साय, 2009 में मुरारीलाल सिंह, 2014 में कमलभान सिंह मराबी और 2019 के चुनाव में रेणुका सिंह ने चुनाव जीता था।

जांजगीर-चांपा लोकसभा

इस लोकसभा चुनाव क्षेत्र में राज्य गठन के बाद से अब तक लगातार भाजपा के प्रत्याशी ही जीतते रहे हैं। राज्य गठन के पहले 1999 के चुनाव में कांग्रेस के डा. चरणदास महंत सांसद बने थे। 2004 के चुनाव में भाजपा से करुणा शुक्ला, 2009 में कमला देवी पाटले, 2014 में दोबारा कमला देवी पाटले और 2019 के चुनाव में गुहाराम अजगल्ले ने 82 हजार से अधिक वोटों से चुनाव जीता था। भाजपा ने इस बार अजगले का टिकट काटकर सक्ती विधानसभा क्षेत्र की कमलेश जांगड़े को उम्मीदवार बनाया है।

छत्तीगसढ़ में इस वर्ष फिर उपचुनाव की संभावना बन रही है। दोनों प्रमुख राजनीतिक दलों की तरफ से लोकसभा के मैदान में उतारे गए प्रत्याशियों को देखते हुए यह संभावना व्यक्त की जा रही है।

लोकसभा के बाद विधानसभा उपचुनाव

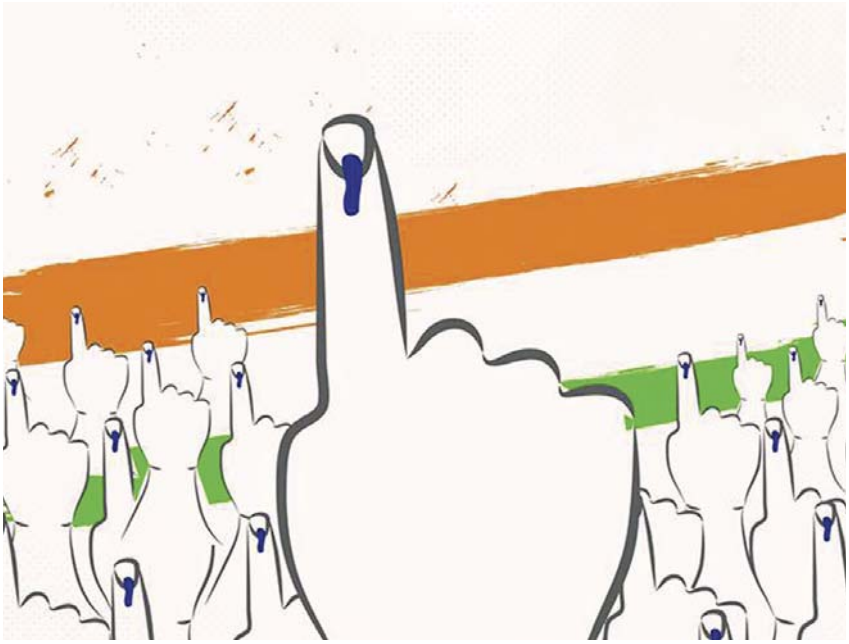

देश में इस समय लोकसभा चुनाव की तैयारी चल रही है। पहले चरण के चुनाव की अधिसूचना जारी होने के साथ ही नामांकन की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। लोकसभा के चुनाव की पूरी प्रक्रिया 6 जून तक खत्म होगी। उससे पहले ही छत्तीसगढ़ में विधानसभा के उप चुनाव को लेकर चर्चा शुरू हो गई है। दरअसल, छत्तीसगढ़ की 11 लोकसभा सीटों के लिए दोनों प्रमुख राजनीतिक पार्टियों में बीजेपी सभी 11 और कांग्रेस 7 सीटों पर प्रत्याशियों के नाम की घोषणा कर चुकी है। इन 18 प्रत्याशियों में 3 भूपेश बघेल, बृजमोहन अग्रवाल और कवासी लखमा विधायक हैं। बघेल पाटन, अग्रवाल रायपुर दक्षिण और लखमा कोंटा सीट के सीटिंग एमएलए हैं। ऐसे में इनमें से कोई भी जीत जाता है तो उप चुनाव जरुर होंगे। अब यह उप चुनाव विधानसभा के लिए होगा या लोकसभा के लिए यह जीतने वाले के ऊपर निर्भर करेगा कि वह विधानसभा से इस्तीफा देगा या लोकसभा से।

पिछली बार हुए सबसे ज्यादा उपचुनाव

पिछली विधानसभा (2018 से 2023) में प्रदेश में सबसे ज्यादा 5 बार विधानसभा के उप चुनाव हुए। 6वीं सीट पर भी उप चुनाव की संभावना बन रही थी, लेकिन विधानसभा चुनाव में छह महीने का ही वक्त रह गया था इस वजह से छठवां उप चुनाव नहीं हुआ। यह वैशाली नगर सीट थी। वहां से विधायक रहे विद्यारतन भसीन का 23 जून 2023 को निधन हो गया था। वैशाली नगर में उप चुनाव नहीं हुआ लेकिर चित्रकोट, दंतेवाड़ा, मरवाही और खैरागढ़ सीट पर उप चुनाव हुए थे।

2018 से 2023 के बीच किन-किन सीटों पर हुए उपचुनाव

- *2018:* सबसे पहले चित्रकोट विधानसभा सीट पर उप चुनाव हुआ। 2018 में वहां से विधायक चुने गए कांग्रेस के दीपक बैज के 2019 में बस्तर से सांसद चुने जाने के बाद उन्होंने विधानसभा से इस्तीफा दे दिया। इसके बाद वहां उप चुनाव कराया गया।

- *2019:* बस्तर संभाग की ही दंतेवाड़ा सीट से विधायक चुने गए भाजपा के भीमा मंडावी की नक्सली हमले में मौत की वजह से वहां 2019 में ही उपचुनाव करना पड़ा।

- *2020:* इसके अगले वर्ष यानी 2020 में पूर्व मुख्यमंत्री अजीत जोगी का निधन हो गया। जोगी मरवाही सीट से विधायक थे। उनके निधन के बाद नवंबर 2020 में वहां उप चुनाव कराया गया।

- *2022:* जोगी की ही पार्टी जनता कांग्रेस छत्तीसगढ़ के विधायक देवव्रत सिंह का नवंबर 2021 में दिल का दौरा पड़ने के कारण निधन हो गया। इसकी वजह से रिक्त हुई खैरागढ़ विधानसभा सीट पर अप्रैल 2022 में उपचुनाव कराया गया।

- *2022:* कांग्रेस जिला की भानुप्रातापुर सीट से कांग्रेस विधायक और विधानसभा के उपाध्यक्ष मनोज सिंह मंडावी का अक्टूबर 2022 में दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया। इसके बाद दिसंबर 2022 में वहां उपचुनाव कराया गया। रमन सरकार में मंत्री रहे पुन्नूलाल मोहले एसी वर्ग से पार्टी का चेहरा हैं। 45 साल से राजनीति में सक्रिय पुन्नूलाल मोहले 3 बार के मंत्री 4 बार सांसद और 7वीं बार विधायक चुने गए हैं। 1985 में पहली बार विधायक बने। इसके बाद 1990, 1994, 2008, 2013, 2018 और 2023 में विधायक चुने गए हैं।

छत्तीसगढ़ में 51.88 लाख परिवार जन-धन के दायरे में आ चुके हैं, वहीं बीते पांच वर्षों में शहरी, अर्धशहरी के अलावा कस्बाई और ग्रामीण क्षेत्रों में सरकारी व निजी बैंकिंग सेवाओं ने गति पकड़ी है।

51.89 लाख परिवारों के खुले जन-धन खाते, गांव-गांव तक पहुंची बैंकिंग शाखाएं

छत्तीसगढ़ में 51.88 लाख परिवार जन-धन के दायरे में आ चुके हैं, वहीं बीते पांच वर्षों में शहरी, अर्धशहरी के अलावा कस्बाई और ग्रामीण क्षेत्रों में सरकारी व निजी बैंकिंग सेवाओं ने गति पकड़ी है। 2019 में जहां प्रदेश में सिर्फ 2,500 बैंकिंग शाखाएं थी, वहीं 2024 तक प्रदेश में बैंकिंग शाखाओं की संख्या बढ़कर 3,340 के करीब पहुंच चुकी है। प्रदेशभर में एटीएम की संख्या पांच वर्षों में 2800 से बढ़कर 3491 तक पहुंच चुकी है। डिजिटल लेन-देन का दायरा बढ़ा है। प्रदेश के आदिवासी अंचल से लेकर शहरी व मैदान क्षेत्रों में केंद्र सरकार की योजनाओं के संचालन के साथ-साथ बैंकिंग सेवाओं का दायरा लगातार बढ़ रहा है।

प्रमुख जिलों के ग्रामीण क्षेत्रों में बैंकिंग सुविधाएं

रायपुर-537, राजनांदगांव-1,607, रायगढ़-1,397, महासमुंद-1,083, बीरधाम-997, जांजगीर-चांपा-897, जशपुर नगर-764, कांकेर-997, सरकारी-निजी बैंकों की संख्या-47, शाखाओं की संख्या-3,338, कुल एटीएम-3,491, कुल जमा-2,60,343, कुल लोन-1,99,695, क्रेडिट डिपाजिट रेशियो-79.06 प्रतिशत, प्राथमिकता क्षेत्रों में लोन-71,625 करोड़, प्राथमिकता क्षेत्रों में लोन का प्रतिशत-51.39 प्रतिशत, कृषि क्षेत्रों में लोन-22,163 करोड़, प्राथमिकता क्षेत्रों में लोन का प्रतिशत-15.9 प्रतिशत, एमएसएमई क्षेत्र का लोन- 33,783 करोड़, एमएसएमई क्षेत्र के लोन का प्रतिशत- 22.07 प्रतिशत, एजुकेशन लोन- 610 करोड़।

महिलाओं ने लिया 20 हजार 107 करोड़ का लोन

महिलाओं ने केंद्र की महत्वपूर्ण योजनाओं का लाभ लेने के लिए लोन लिया है। सूक्ष्म एवं लघु उद्योग मंत्रालय से संबंधित विभिन्न योजना का लाभ महिलाओं को मिला है। राज्य स्तरीय बैंकिंग समिति की रिपोर्ट पर गौर करें तो प्रदेश में कुल 20 हजार 107 करोड़ रुपये का लोन महिलाओं ने लिया है। यह कुल लोन का 11.74 प्रतिशत हैं।

19,547 गांवों में बैंकिंग सुविधाएं

राज्य स्तरीय बैंकिंग कमेटी की रिपोर्ट पर गौर करें तो प्रदेश में 19547 बैंकिंग गांव बन चुके हैं। प्रदेश में सबसे ज्यादा राजनांदगांव में 1,607 बैंकिंग ग्रामीण क्षेत्र हैं, जहां बैंकिंग की सुविधाएं मिल रही है, वहीं दूसरे नंबर पर रायगढ़ जिले के 1,397 गांव शामिल हैं।

नक्सल प्रभावित जिलों में भी डिजिटल लेन-देन

केंद्र सरकार की विभिन्न वित्तीय योजनाओं के चलते अब नक्सल प्रभावित जिलों में भी डिजिटल लेन-देन का दायरा बढ़ा है। रिपोर्ट पर गौर करें तो कोंडागांव ने बैंकिंग सेवाओं में अन्य जिलों को पीछे छोड़ दिया है, जबकि कोंडागांव को नक्सल प्रभावित क्षेत्र माना जाता है। यहां 559 बैंकिंग गांव हैं, जबकि सुकमा में 318, बीजापुर में 453 व दंतेवाड़ा में 220 बैंकिंग गांव है। प्रदेश के आदिवासी अंचल से लेकर शहरी व मैदान क्षेत्रों में केंद्र सरकार की योजनाओं के संचालन के साथ-साथ बैंकिंग सेवाओं का दायरा लगातार बढ़ रहा है।

पिछले चुनाव में रायपुर लोकसभा की नौ विधानसभा सीटों में से छह पर कांग्रेस और एक-एक सीट पर भाजपा व जनता कांग्रेस को जीत मिली थी, इसके बावजूद लोकसभा चुनाव के दौरान एक भी विधानसभा सीट पर कांग्रेस बढ़त बनाने में नाकाम साबित रही।

नौ सीटों में से छह पर कांग्रेस का कब्जा फिर भी नहीं मिली बढ़त

2019 के चुनाव भाटापारा विधानसभा में सबसे कम रहा था मतों का अंतर

रायपुर लोकसभा की नौ विधानसभा सीटों में से छह पर कांग्रेस का कब्जा

एक भी विधानसभा सीट पर बढ़त बनाने में नाकाम साबित रही कांग्रेस

छत्तीसगढ़ के रायपुर लोकसभा के चुनावों में कांग्रेस को बढ़त मिलना मुश्किल दिखाई दे रहा है। हालात ऐसे हैं कि पिछले चुनाव में रायपुर लोकसभा की नौ विधानसभा सीटों में से छह पर कांग्रेस और एक-एक सीट पर भाजपा व जनता कांग्रेस को जीत मिली थी, इसके बावजूद लोकसभा चुनाव के दौरान एक भी विधानसभा सीट पर कांग्रेस बढ़त बनाने में नाकाम साबित रही। सभी विधानसभा सीटों के आंकड़ों की तुलना करें तो भाजपा ने रायपुर ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र में सर्वाधिक अंतर यानी 63,664 मतों से बढ़त बनाई थी, जबकि सबसे कम अंतर भाटापारा सीट पर ही रहा था, जहां सिर्फ 252 मतों से भाजपा को बढ़त मिली थी। इसके अलावा अन्य सभी सीटों पर मतों का अंतर 22 हजार से अधिक रहा। वहीं, पिछले चुनाव के दौरान भाटापारा की इस सीट पर भाजपा का कब्जा था, इसके बावजूद भाजपा को यहां से सबसे कम बढ़त मिली थी, जबकि अन्य विधानसभा सीटें कांग्रेस के कब्जे में थी,फिर भी वहां कांग्रेस को मुंह की खानी पड़ी थी।

इस बार भाटापारा में कांग्रेस का कब्जा

इस विधानसभा चुनाव में रायपुर की सभी नौ विधानसभा सीटों में से सिर्फ भाटापारा ही एकमात्र ऐसी सीट है, जिस पर कांग्रेस का कब्जा है। यहां इंद्र कुमार साव विधायक बने है। इसके अलावा अन्य सभी विधानसभा सीटों पर भाजपा काबिज है। इससे पूर्व के दोनों चुनावों में यहां भाजपा का कब्जा रहा, लेकिन इसके बावजूद यहां से मतों का अंतर कम होना, स्थानीय नेतृत्व प्रति लोगों के उदासीन रवैये को दर्शाता है। ऐसे में इस चुनाव में भाजपा की लहर और मोदी की गारंटी का फायदा भाजपा को ही मिलता दिखाई दे रहा है।

हार-जीत के बीच इस बार मुकाबला

रायपुर लोकसभा में कांग्रेस और भाजपा के बीच हार-जीत जैसा मुकाबला है। क्योंकि विकास उपाध्याय 2013 और 2023 में विधानसभा चुनाव हारे हुए प्रत्याशी हैं, सिर्फ 2018 में ही एक बार उन्हें विधायक बनने का अवसर मिला है। इसके विपरीत भाजपा की ओर से बृजमोहन अग्रवाल, जो कि पिछले आठ विधानसभा चुनावों में जीते हुए प्रत्याशी हैं और एक भी बार भी उन्हें हार नहीं झेलनी पड़ी। ऐसे में इस बार हार और जीत के बीच रायपुर लोकसभा सीट का मुकाबला होने जा रहा है। पिछले विधानसभा चुनाव के बाद तुरंत हुए लोकसभा चुनाव में कांग्रेस की सरकार थी और एकजुटता भी शुरुआती दौर में देखने को मिल रही थी, इसके बावजूद कांग्रेस का लोकसभा चुनाव में हाल बुरा ही रहा।

कांग्रेस के सामने चुनौतियों का पहाड़

कांग्रेस ने ईडी के निशाने में रहे तीन नेताओं पर खेला दांव

लोकसभा चुनाव के लिए छत्तीसगढ़ में कांग्रेस के सामने चुनौतियों का पहाड़ है। एक तरफ जहां भाजपा पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार के भ्रष्टाचार को चुनावी मुद्दा बना रही है और केंद्रीय प्रवर्तन निदेशालय की जांच व कार्रवाईयों को लेकर कांग्रेस पर हमलावर है।

लोकसभा चुनाव के लिए छत्तीसगढ़ में कांग्रेस के सामने चुनौतियों का पहाड़ है। एक तरफ जहां भाजपा पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार के भ्रष्टाचार को चुनावी मुद्दा बना रही है और केंद्रीय प्रवर्तन निदेशालय की जांच व कार्रवाईयों को लेकर कांग्रेस पर हमलावर है, वहीं कांग्रेस ने भी ईडी के निशाने पर रहे नेताओं को ही चुनावी मैदान में उतार कर चुनाव को चुनौतीपूर्ण बना दिया है।मामले में कांग्रेस का तर्क है कि आरोप तो किसी पर भी लग सकते हैं मगर जब तक कोई दोषी नहीं माना जाता है तब तक इन बातों का कोई प्रभाव नहीं पड़ सकता है।

बतादें कि कांग्रेस ने प्रदेश की 11 में से तीन सीटों पर भ्रष्टाचार के मामले में घेरे में आए नेताओं को ही चुनाव की बागडोर दे दी है। इनमें राजनांदगांव से प्रत्याशी बनाए गए पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल पर महादेव आनलाइन सट्टा एप मामले में ईडी की जांच के बाद ईओडब्ल्यू ने एफआइआर कर जांच करनी शुरू कर दी है। वहीं कथित शराब घोटाले में आरोपित पूर्व आबकारी मंत्री कवासी लखमा को भी बस्तर से चुनाव लड़ाया जा रहा है।

इतना ही नहीं, चर्चित कोयला घोटाला मामले में आरोपित भिलाई के विधायक देवेंद्र सिंह यादव को भी कांग्रेस ने बिलासपुर से लोकसभा चुनाव का प्रत्याशी बनाया है। कांग्रेस को भ्रष्टाचार के तमाम आरोपों के मामले में भाजपा के आरोपों का पलटवार करना होगा, क्योंकि विधानसभा चुनाव में भी भाजपा कुछ इसी तरह भ्रष्टाचार को मुद्दा बनाकर भूपेश की सरकार को सत्ता से बेदखल करने में कामयाब हुई थी।

कोयला घोटाला है प्रदेश का बड़ा मुद्दा

प्रदेश में कोयला घोटाला बड़ा मुद्दा रहा है। ईडी के मुताबिक कोयले के परिवहन में प्रति टन 25 रुपये की वसूली हुई है। इसमें राजनेता से लेकर अधिकारियों, कारोबारियों की मिलीभगत की बात सामने आई है। मामले में ईडी ने 540 करोड़ रुपये के कोयला घोटाला होने का तथ्य लाकर 70 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कराया है। इसमें कांग्रेस विधायक देवेंद्र यादव समेत कांग्रेस नेता विनोद तिवारी, कांग्रेस के प्रदेश प्रवक्ता आरपी सिंह, पूर्व विधायक चंद्रदेव राय समेत पूर्व मुख्य सचिव विवेक ढांड, राज्य प्रशासनिक सेवा की अधिकारी सौम्या चौरसिया, आइएएस रानू साहू और आइएएस समीर बिश्नोई के नाम शामिल हैं।

आरोप हैं, इनका कोई प्रभाव नहीं

छत्तीसगढ़ के कांग्रेस नेता व पूर्व उप मुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव ने कहा, राजनीति में आरोप का कोई प्रभाव नहीं पड़ता है। आरोप तो पूर्व मुख्यमंत्री डा. रमन सिंह पर भी नान डायरी में नाम आने के बाद नान घोटाले में लगे थे। अभी सरगुजा के भाजपा प्रत्याशी चिंतामणि महाराज के खिलाफ भी मामला सामने आया था। कई प्रत्याशियों के खिलाफ मामले हैं मगर जब तक कोई जांच में दोषी नहीं पाया जाता है। अभी तो जो सत्ता में है वह जो चाहे वैसा कर सकता है, मगर आरोप होने से कोई दोषी नहीं है, इसका चुनाव में कोई असर नहीं पड़ेगा।

प्रदेश में भ्रष्टाचार मुद्दा है

छत्तीसगढ़ के उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने कहा, पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार में पांच वर्षों तक भ्रष्टाचार हुए हैं। इनमें लगातार कार्रवाईयां भी हुई हैं। कई लोग जेल भी गए हैं। यह केवल आरोप नहीं है, यह तो केंद्रीय एजेंसियों ने ही उजागर किया है। जिन लोगों को जेल हुई है उन्हें अभी तक जमानत नहीं हुई है। निश्चित रूप से लोकसभा चुनाव में भी भ्रष्टाचार मुद्दा है और जनता का इससे सरोकार भी है।

पूर्व विधायक मंतूराम भाजपा में शामिल

लोकसभा चुनाव से पहले छत्तीसगढ़ में नेताओं की दल-बदल की होड़

लोकसभा चुनाव से पहले दल बदल का सिलसिला शुरू हो गया है। इसी क्रम में अंतागढ़ उप चुनाव टेपकांड मामले में चर्चित रहे पूर्व विधायक मंतूराम पवार समेत कई कांग्रेस नेताओं ने भाजपा में प्रवेश कर लिया है।

लोकसभा चुनाव से पहले दल बदल का सिलसिला शुरू हो गया है। इसी क्रम में अंतागढ़ उप चुनाव टेपकांड मामले में चर्चित रहे पूर्व विधायक मंतूराम पवार समेत कई कांग्रेस नेताओं ने भाजपा में प्रवेश कर लिया है। कुशाभाऊ ठाकरे परिसर स्थित प्रदेश भाजपा कार्यालय में भाजपा के मोर्चों की संयुक्त बैठक के दौरान अंतागढ़ के पूर्व विधायक मंतूराम राम पवार, बिलासपुर के जिला पंचायत अध्यक्ष अरुण सिंह चौहान, समर्थक दल के संयोजक जगबंधु विश्वास पवार, बंग समाज के प्रदेश सचिव व सरपंच मनोज मंडल समेत 200 लोगों ने भाजपा प्रवेश किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री, प्रदेश अध्यक्ष, उपमुख्यमंत्री अरुण साव, क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जामवाल, प्रदेश संगठन महामंत्री पवन साय, प्रदेश महामंत्री संजय श्रीवास्तव, जगदीश (रामू) रोहरा, भरत वर्मा मौजूद रहे।

इसलिए चर्चा में रहे मंतूराम

साल 2014 में कांकेर जिले के अंतागढ़ के तत्कालीन विधायक विक्रम उसेंडी ने सांसद बनने के बाद इस्तीफा दे दिया। उपचुनावों में कांग्रेस की ओर से प्रत्याशी मंतू राम पवार को बनाया गया। पर बाद मंतूराम ने अपना नामांकन वापस ले लिया था। बाद में एक कथित फोन काल का आडियो प्रसारित हुआ। आरोप लगे कि अंतागढ़ में खरीद-फरोख्त का खेल हुआ है।

कांग्रेस डूबती नैया है: विष्णुदेव साय

इस मौके पर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि आप सभी का भाजपा परिवार में स्वागत है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी अब कहीं नहीं दिखती है। कांग्रेस पार्टी डूबती नैया है जिस पर कोई सवार नहीं होना चाहता और जो सवार है वह एक-एक करके भाजपा में आ रहे हैं। जो पार्टी केवल एक ही परिवार पर केंद्रित हो उस कांग्रेस पार्टी में भला कौन रहना चाहेगा। उन्होंने भाजपा प्रवेश करने वाले सभी सदस्यों को भाजपा का गमछा पहनकर पार्टी की सदस्यता दिलाई। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमने तीन महीने में ही कई वादों को पूरा किया।

कांग्रेस के पास नीति न नियत: किरण सिंह

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव ने कहा कांग्रेस के पास न नीति है न नियत। कांग्रेस ने छत्तीसगढ़ को कंगाल किया है। प्रदेश सह प्रभारी नबीन ने कहा कि राष्ट्रीय अधिवेशन में भाजपा कार्यकर्ताओं का जिक्र होना यहां के कार्यकर्ताओं के लिए गौरव का विषय है। उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने कहा कि कांग्रेस केवल भाई भतीजों के लिए कार्य करती है, मोदी देश की जनता के लिए काम करते हैं। कांग्रेस ने छत्तीसगढ़ को कंगाल किया है। प्रदेश सह प्रभारी नबीन ने कहा कि राष्ट्रीय अधिवेशन में भाजपा कार्यकर्ताओं का जिक्र होना यहां के कार्यकर्ताओं के लिए गौरव का विषय है।

विशेष टिप्पणी
प्रदीप भट्टाचार्य

विधानसभा V/s लोकसभा

कैसे 4 महीने में ही बदल जाता है पूरा चुनावी समीकरण

विधानसभा चुनाव के महज 4 महीने बाद ही लोकसभा का चुनाव होता है। महज 3 महीने में ही प्रदेश का पूरा सियासी सीमकरण बदल जाता है।

छत्तीसगढ़ में विधानसभा की 90 और लोकसभा की 11 सीटें हैं। दोनों चुनावों के बीच केवल 4 महीने का अंतर होता है। विधानसभा का चुनाव नवंबर-दिसंबर में होता है तो लोकसभा चुनाव के लिए मतदान अप्रैल-मई में। लेकिन इन 4 महीने में भी प्रदेश का पूरा सियासी और सीटों का समीकरण बदल जाता है। विधानसभा चुनाव के दौरान कुछ सीटों पर तीसरी पार्टियां मुकाबले को त्रिकोणी बनाने में सफल रहती हैं, लेकिन लोकसभा के चुनाव में तीसरी पार्टियां कोई विशेष असर नहीं दिख पाती हैं। 90 प्रतिशत वोट शेयर बीजेपी और कांग्रेस के बीच बंट जाता है। बसपा सहित अन्य पार्टियां महज 10 प्रतिशत में सिमट कर रह जाती हैं।

2019 में करीब 93 प्रतिशत वोट

इससे पहले देश में अप्रैल-मई 2019 में आम चुनाव हुआ था। वहीं, नवंबर-दिसंबर 2018 में विधानसभा का चुनाव हुआ था। विधानसभा चुनाव में बीजेपी और कांग्रेस के हिस्से में 77.5 प्रतिशत वोट आया था। वहीं, लोकसभा चुनाव में दोनों का संयुक्त वोट शेयर लगभग 93 प्रतिशत पहुंच गया। यानी बसपा सहित अन्य पार्टियों के प्रत्याशियों को जमानत बचाने लायक भी वोट नहीं मिला। बीजेपी, कांग्रेस के बाद सर्वाधिक वोट शेयर 2.3 बसपा का रहा। यह भी बताते चले कि राज्य निर्माण के बाद हुए 4 लोकसभा चुनाव में 2019 में बीजेपी और कांग्रेस का वोट शेयर सर्वाधिक था।

पिछले चुनाव में पहली बार कांग्रेस 2 सीट जीती

छत्तीसगढ़ पृथक राज्य बनाने का श्रेय पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी और बीजेपी को जाता है। इसका असर लोकसभा चुनाव के परिणामों पर भी दिखता है। राज्य में लोकसभा की 11 सीटें हैं। 2019 के पहले तक कांग्रेस की झोली में केवल एक सीट जाती थी। यानी 10 सीट बीजेपी और 1 सीट कांग्रेस। 2019 में पहली बार कांग्रेस 2 सीट जीतने में सफल रही। हालांकि विधानसभा चुनाव के लिहाज से कांग्रेस का यह प्रदर्शन बेहद कमजोर रहा, क्योंकि 2018 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस 90 में से 68 सीटें जीती थी,जबकि बीजेपी केवल 15 सीट पर सिमट गई थी।

राजनांदगांव लोकसभा सीट

कांग्रेस ने क्यों लगाया भूपेश बघेल पर दांव?

राजनांदगांव सीट से बीजेपी के संतोष पांडेय सांसद हैं। बीजेपी ने यहां से फिर से मौजूदा सांसद को ही टिकट दिया है। वहीं अब कांग्रेस ने यहां से पूर्व सीएम भूपेश बघेल को टिकट दिया है।

लोकसभा चुनाव में अब बहुत कम समय बचा हुआ है। ऐसे में राजनीतिक दलों द्वारा चुनाव की तैयारियां तेज कर दी गई हैं। एक ओर जहां बीजेपी ने कुछ दिन पहले अपने उम्मीदवारों की पहली लिस्ट जारी की थी। वहीं अब कांग्रेस ने भी उम्मीदवारों की पहली लिस्ट जारी कर दी है। कांग्रेस ने पहली लिस्ट में छत्तीसगढ़ की 11 में से 6 सीटों पर उम्मीदवारों के नाम की घोषणा की है। कांग्रेस ने इस बार कई सीनियर नेताओं को चुनाव मैदान में उतारा है। पूर्व सीएम भूपेश बघेल का भी नाम इस लिस्ट में शामिल है। पार्टी ने भूपेश बघेल को राजनांदगांव लोकसभा सीट से चुनावी मैदान में उतारा है। फिलहाल भूपेश बघेल अभी पाटन विधानसभा सीट से विधायक हैं। वहीं राजनांदगांव लोकसभा सीट की बात करें, तो इस सीट के अंतर्गत आठ विधानसभा सीटें आती हैं। इस बार के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस के खाते में पांच सीटें आई थी, जबकि बीजेपी को तीन सीटों पर जीत मिली थी।

क्या कहतें हैं 2019 के आंकड़ें?

राजनांदगांव लोकसभा सीट से अभी बीजेपी के संतोष पांडेय सांसद हैं। बीजेपी ने यहां से फिर से मौजूदा सांसद को ही टिकट दिया है। यह राज्य का वह क्षेत्र है, जहां ओबीसी वोटर्स बड़ी संख्या में हैं। बता दें 2019 के लोकसभा चुनाव में राजनांदगांव सीट से बीजेपी के संतोष पांडेय ने चुनाव जीता था। उन्होंने कांग्रेस के उम्मीदवार भोलाराम साहू को एक लाख 11 हजार 966 मतों से शिकस्त देकर जीत दर्ज की थी। बीजेपी के संतोष पांडेय को 662387 मत हासिल हुए थे, जबकि कांग्रेस के भोलाराम साहू को 550421 मत हासिल हुए थे। वहीं बीएसपी की रविता धुव्र 17145 मत हासिल कर तीसरे स्थान पर रहीं थी। इस सीट पर 19456 मत नोटा को प्राप्त हुए थे। वहीं वोट प्रतिशत की बात करें, तो कुल मिले मतों में बीजेपी को 50.68, कांग्रेस को 42.11, बीएसपी को 1.31 और नोटा को 1.49 फीसदी मत हासिल हुए थे।

कई बार से बीजेपी के कब्जे में है यह सीट

छत्तीसगढ़ में राजनांदगांव सीट की अहमियत का अंदाजा इसी से लगा सकते हैं, क्योंकि इसे बीजेपी का मजबूत किला कहा जाता है। कई बार से यह सीट बीजेपी के कब्जे में जाती रही है। संतोष पांडे से पहले रमन सिंह के बेटे अभिषेक सिंह और उससे पहले मधुसूदन यादव यहां से सांसद थे। दूसरी ओर छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री डॉ रमन सिंह पिछले कई बार से यहां से विधायकी जीतते आए हैं। इस बार के विधानसभा में चुनाव में भी रमन सिंह को जीत हासिल हुई है।

बघेल को राजनांदगांव से क्यों मिला टिकट?

फिलहाल अगर इस बार के विधानसभा चुनाव के नतीजों की बात करें, तो उसके अनुसार यह सीट कांग्रेस के लिए सुरक्षित मानी जा रही है। बीजेपी ने यहां से सामान्य वर्ग के उम्मीदवार संतोष पांडेय को उतारा है। ऐसे में पार्टी भूपेश बघेल पर दांव खेलकर ओबीसी वोटर्स को साधने की कोशिश की है।

विधानसभा चुनाव में 8 में से 5 सीट पर जीत के बावजूद पिछड़ी हुई है कांग्रेस

पूर्व सीएम भूपेश बघेल की वजह से हाईप्रोफाइल हुई राजनांदगांव सीट

कांग्रेस ने पूर्व मुख्यमंत्री और पाटन सीट से विधायक भूपेश बघेल को राजनांदगांव लोकसभा सीट से प्रत्याशी बनाया है। बीजेपी की तरफ से इस सीट पर सीटिंग एमपी संतोष पांडेय मैदान में हैं। पूर्व सीएम की वजह से यह सीट हाई प्रोफाइल हो गई है।

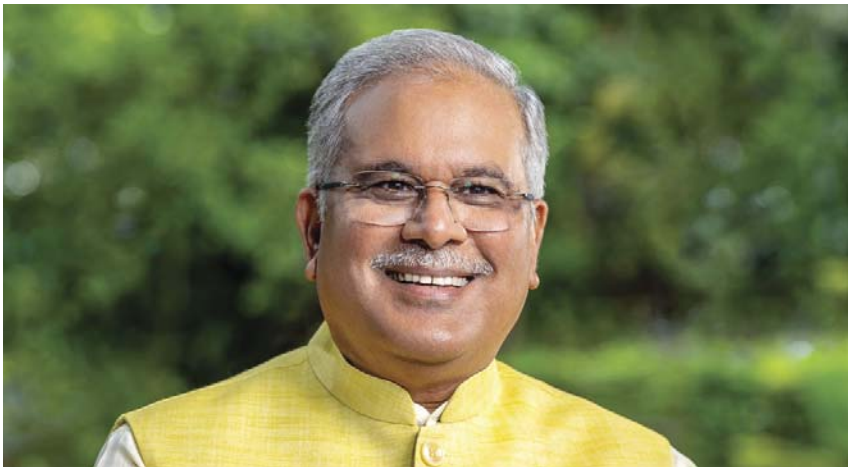

लोकसभा चुनाव 2024 में कांग्रेस ने छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को राजनांदगांव से प्रत्याशी बनाया है। बघेल प्रदेश के तेजतर्रार नेताओं में शामिल हैं। अविभाजित मध्य प्रदेश के दौर में 1993 में उन्होंने पाटन सीट से पहली बार विधानसभा चुनाव लड़ा था, तब से लेकर 2023 तक वे लगातार पाटन से चुनाव लड़ रहे हैं। केवल एक चुनाव छोड़ दें तो वे विधानसभा का चुनाव नहीं हारे हैं। लेकिन गौर करने वाली बात यह भी है कि बघेल अभी तक एक भी बार लोकसभा का चुनाव नहीं जीत पाए हैं। पार्टी ने 2009 में उन्हें रायपुर लोकसभा सीट से प्रत्याशी बनाया था, लेकिन वे बीजेपी के रमेश बैस से चुनाव हार गए थे। पूर्व सीएम भूपेश बघेल को लोकसभा का चुनाव लड़े करीब 15 साल हो गए हैं, तब से अब तक में काफी कुछ बदल चुका है। बघेल पीसीसी चीफ और प्रदेश के मुख्यमंत्री रह चुके हैं। पार्टी ने उन्हें इस बार राजनांदगांव सीट से प्रत्याशी बनाया है। जहां विधानसभा सीटों के लिहाज से कांग्रेस का पलड़ा भारी है। राजनांदगांव संसदीय क्षेत्र में शामिल 8 में से विधानसभा की 5 सीटें इस वक्त कांग्रेस के पास है। केवल 3 सीट राजनांदगांव, कवर्धा और पंडरिया बीजेपी के पास है। लेकिन गौर करने वाली बात यह है कि 8 में से केवल 3 सीट जीतने के बावजूद बीजेपी के पास ज्यादा वोट है। विधानसभा चुनाव 2023 में राजनांदगांव संसदीय क्षेत्र में शामिल विधानसभा की 8 सीटों पर कांग्रेस को कुल 6 लाख 74 हजार 776 वोट मिले थे। वहीं, बीजेपी को 7 लाख 5 हजार 375 वोट मिले हैं।

विस सीटों पर हिंदुत्व कार्ड

बताते चलें कि इस बार विधानसभा चुनाव में बीजेपी ने राजनांदगांव संसदीय क्षेत्र की विधानसभा सीटों पर हिंदुत्वकार्ड खेला था। पार्टी ने कट्टर हिंदुवादी चेहरा विजय शर्मा को कवर्धा सीट से प्रत्याशी बनाया था। शर्मा 39 हजार वोट के अंतर से कांग्रेस के दिग्गज नेता और तत्कालीन कैबिनेट मंत्री मोहम्मद अकबर को हराने में सफल रहे।

2018 में केवल एक विस सीट जीती थी बीजेपी

इससे पहले 2018 में हुए विधानसभा चुनाव के दौरान बीजेपी केवल एक राजनांदगांव विधानसभा सीट जीत पाई थी, बाकी सभी 7 सीटों पर उसे हार का सामना करना पड़ा था। बावजूद इसके पार्टी लोकसभा का चुनाव जीत गई थी। 2019 में कांग्रेस ने बीजेपी के सामने भोलाराम साहू को मैदान में उतारा था। जोगी 2009 का चुनाव जीत गए थे। वैसे छत्तीसगढ़ राज्य निर्माण से पहले पूर्व सीएम श्यामचरण शुक्ल भी एक बार लोकसभा का चुनाव लड़े थे।

लोस चुनाव लड़ने वाले सीजी के दूसरे पूर्व सीएम

लोकसभा चुनाव लड़ने वाले भूपेश बघेल दूसरे पूर्व सीएम है। इससे पहले कांग्रेस के ही अजीत जोगी लोकसभा का चुनाव लड़ चुके हैं। 2003 के विधानसभा में कांग्रेस की हार के बाद जोगी महासमुंद सीट से लोकसभा का चुनाव लड़े थे। चुनाव प्रचार के दौरान ही जोगी के उस दुर्घटना के शिकार हुए जिसकी वजह से वे फिर कभी अपने पैरों पर चल नहीं पाए। जोगी 2009 का चुनाव जीत गए थे। वैसे छत्तीसगढ़ राज्य निर्माण से पहले पूर्व सीएम श्यामचरण शुक्ल भी एक बार लोकसभा का चुनाव लड़े थे।

महतारी वंदन योजना की पहली किस्त जारी

70 लाख महिलाओं के खाते में 655 करोड़ ट्रांसफर

महिलाओं को ड्रोन भी देंगे : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी

पीएम नरेंद्र मोदी ने वर्चुअली 70 लाख महिलाओं के खाते में कुल 655 करोड़ रुपए ट्रांसफर किए। पीएम मोदी ने वर्चुअली कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि कल नमो ड्रोन योजना के तहत महिलाओं को सरकार ड्रोन भी देगी।

छत्तीसगढ़ सरकार की महत्वाकांक्षी महतारी वंदन योजना की पहली किस्त को जारी हो गई। पीएम नरेंद्र मोदी ने वर्चुअली 70 लाख महिलाओं के खाते में कुल 655 करोड़ रुपए ट्रांसफर किए। पीएम मोदी ने वर्चुअली कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि कल नमो ड्रोन योजना के तहत महिलाओं को सरकार ड्रोन भी देगी।

बीजेपी सरकार ने अपना वादा पूरा किया : मोदी

प्रधानमंत्री ने जय जोहार से संबोधन शुरू करते हुए कहा कि दो हफ्ते पहले मैंने छत्तीसगढ़ में 35 हजार करोड़ की परियोजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण किया था। आज मुझे नारी शक्ति को सशक्त बनाने वाली महतारी वंजन योजना को समर्पित करने का मौका मिला है। योजना के तहत प्रदेश की 70 लाख से ज्यादा माता-बहनों को हर महीने 1 हजार महीना देने का वादा किया था। बीजेपी सरकार ने अपना वादा पूरा किया है।

मोदी ने आगे कहा कि, आप सबके खाते में अब हर महीने बगैर परेशानी के पैसा आता रहेगा, ये मेरा भरोसा है छत्तीसगढ़ की बीजेपी की सरकार पर। मैं गारंटी देता हूं। जब माताएं-बहने सशक्त होती हैं, तो पूरा परिवार सशक्त होता है। डबल इंजन सरकार की प्राथमिकता माताओं-बहनों का कल्याण है। रायपुर के साइंस कॉलेज ग्राउंड में आयोजित मुख्य कार्यक्रम में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े, बृजमोहन अग्रवाल, रामविचार नेताम समेत कई नेता मौजूद रहे। पीएम ने कहा कि, आज योजना के तहत 655 करोड़ की पहली किस्त जारी की गई है। मैं स्क्रीन पर देख रहा हूं कि लाखों बहनों के दर्शन हो रहे हैं। इतनी बड़ी तादात में आप बहनों को एक साथ देखना, आपका आशीर्वाद मिलना मेरा सौभाग्य है। मुझे छत्तीसगढ़ में आपके बीच पहुंचना चाहिए था, लेकिन अलग-अलग कार्यक्रमों के कारण यूपी में हूं। बाबा विश्वनाथ की नगरी में हूं। काशी नगरी से आप सबसे बात करने का अवसर मिला है। बाबा विश्वनाथ भी आपको आशीर्वाद दे रहे हैं। महाशिवरात्रि के कारण 8 मार्च को कार्यक्रम संभव नहीं था। भोलेनाथ के आशीर्वाद से आपके खाते में 1 हजार रुपया पहुंच रहा है।

डबल इंजन की सरकार गारंटी पूरी करती रहेगी

प्रधानमंत्री ने कहा कि मैंने गारंटी दी थी कि हमारी सरकार 31 सौ रुपए प्रति क्विंटल की दर से धान खरीदेंगे। मुझे गर्व है कि सरकार ने धान खरीद कर रिकॉर्ड भी बना दिया है। ये वादा हमने पूरा किया। कृषक उन्नति योजना शुरू हो चुकी है। इसके तहत इस साल खरीदे गए धान की अंतर राशि का भुगतान भी हम जल्दी करेंगे। आगामी 5 सालों में जनकल्याण के इन कामों को निर्णायक ढंग से आगे बढ़ाया जाएगा। इसमें सभी माताओं-बहनों की भी भागीदारी होगी। छत्तीसगढ़ में डबल इंजन की सरकार अपनी गारंटी पूरी करती रहेगी।

खुशहाली की जो गारंटी दी थी उसे पूरा करेंगे

पीएम ने कहा कि छत्तीसगढ़ की खुशहाली की जो गारंटी दी थी, उसे पूरा करने के लिए बीजेपी सरकार लगातार काम कर रही है। हमने गारंटी दी थी कि 18 लाख पक्के आवास का निर्माण करेंगे। विष्णुदेव साय सरकार बनने के बाद कैबिनेट बैठक लेकर अगले दिन ही काम शुरू कर दिया।

10 करोड़ महिलाओं का जीवन बदला

पीएम मोदी ने कहा कि पिछले दस सालों में स्वसहायता समूहों के जरिए 10 करोड़ से ज्यादा महिलाओं का जीवन बदल गया है। देश में एक करोड़ से ज्यादा लखपति दीदी बन गई हैं। गांव-गांव में इतनी बड़ी आर्थिक शक्ति बन गई हैं। हम अब संकल्प कर चुके हैं कि देश की 3 करोड़ बहनों को लखपति बनाने का लक्ष्य पूरा करेंगे।

48 लाख परिवारों को हर माह 22.50 लाख क्विंटल निःशुल्क चावल

पीएम गरीब कल्याण अन्न योजना से छत्तीसगढ़ के लोगों को मिली राहत

प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना का लाभ देश सहित प्रदेशभर के लोगों को मिल रहा है। इस योजना के तहत प्रदेश के लगभग 48 लाख परिवारों को हर माह लगभग 22.50 लाख क्विंटल चावल का वितरण किया जा रहा है।

प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना का लाभ देश सहित प्रदेशभर के लोगों को मिल रहा है। इस योजना के तहत प्रदेश के लगभग 48 लाख परिवारों को हर माह लगभग 22.50 लाख क्विंटल चावल का वितरण किया जा रहा है। इसका 2023 में किया गया, जो कि अगले पांच वर्षों तक चलेगा और वर्ष 2028 तक इस योजना का लाभ गरीब परिवारों को दिया जाएगा। इन गरीब परिवारों में बीपीएल, अंत्योदय, निराश्रित व निःशक्तजन काडर्धारक शामिल हैं। वहीं, राज्य सरकार ने भी इस बजट में इनके लिए विशेष प्रविधान करते हुए बजट में भी इसे शामिल किया और अगले पांच वर्षों तक केंद्र सरकार के साथ मिलकर निःशुल्क राशन वितरण में अपनी भी भागीदारी सुनिश्चित की है। इसके अलावा गरीबों के पोषण का ध्यान रखते हुए शासन की ओर से फोर्टीफाइड राशन का वितरण किया जा रहा है, ताकि कुपोषण के अलावा एनीमिया से भी लोगों को बचाया जा सके। इसके अलावा इस राशन का आवंटन मध्याह्न भोजन में तो किया ही जा रहा है। साथ ही दालभात केंद्रों में भी इसी राशन के वितरण की योजना बनाई जा रही है, ताकि मजदूरों को सस्ते दाम में भोजन की उपलब्धता कराई जा सके। इसके अलावा आयोडाइज्ड नमक भी निःशुल्क रूप से वितरित किया जा रहा है, जबकि केरोसिन सहित शक्कर के लिए निर्धारित कीमत हितग्राहियों को चुकानी होगी।

प्रदेश में कार्डधारकों की स्थिति

- 77,10,352 प्रदेश में कुल कार्डधारक
- 14,97,789 प्रदेश में कुल अंत्योदय कार्डधारक
- 37,194 प्रदेश में कुल निराश्रित कार्डधारक
- 52,83,880 प्रदेश में कुल प्राथमिकता कार्डधारक
- 15,489 प्रदेश में कुल निःशक्तजन कार्डधारक
- 8,76,000 प्रदेश में कुल एपीएल कार्डधारक

फोर्टीफाइड चावल से जीतेंगे कुपोषण की जंग

कुपोषण की जंग जीतने के लिए फोर्टीफाइड राशन देने की योजना बनाई गई है। इसके तहत प्रत्येक 100 दाने चावल में एक दाना फोर्टीफाइड चावल का मिलाया जाता है, जिसमें सभी प्रकार के पोषक तत्वों सहित अन्य स्वास्थ्यवर्धक गुण इसमें पहले से ही एड किए जाते हैं। इसे पिछले एक वर्ष से लोगों को दिया जा रहा है।

फरवरी माह में चावल आवंटन की रिपोर्ट

- 24,99,928 क्विंटल चावल फरवरी में प्रदेश में कुल आवंटन
- 17,15,408 क्विंटल चावल फरवरी में बीपीएल
- 5,22,695 क्विंटल चावल फरवरी में अंत्योदय
- 3769 क्विंटल चावल फरवरी में निराश्रित
- 1,535 क्विंटल चावल फरवरी में निःशक्तजन उपभोक्ताओं

जिलेवार कुल कार्डधारक

जिला	ग्रामीण कार्डधारक	शहरी कार्डधारक
बस्तर	1,72,279	33,748
बीजापुर	64,034	7,507
दंतेवाड़	63,173	17,722
कांकेर	1,70,489	17,948
कोंडगांव	1,32,943	14,643
नारायणपुर	30,229	6,088
सुकमा	71,741	7,358
बिलासपुर	3,54,649	1,84,066
जीपीएम	1,01,346	10,015
जांजगीर चांपा	2,75,231	48,139
कोरबा	2,30,276	1,06,267
मुंगेली	2,15,589	18,578
रायगढ़	2,67,757	63,933
बालोद	1,94,337	27,445
बेमेतरा	2,44,331	23,972
दुर्ग	1,89,615	2,85,546
कवर्धा	2,53,686	27,663
राजनांदगांव	1,75,113	63,669
बलौदा बाजार	3,14,152	38,754
धमतरी	2,03,004	39,355
गरियाबंद	1,93,420	12,433
महासमुंद	3,00,680	32,252
रायपुर	2,74,452	3,27,731
बलरामपुर	2,13,289	9,629
जशपुर	2,28,978	19,120
कोरिया	70,740	11,425
सरगुजा	2,33,127	48,388
सूरजपुर	2,19,760	16,237
सक्ती	2,11,231	18,466
एमसीबी	72,413	35,290
सार-बिला	1,98,008	17,406
खै-छु-ग	94,003	13,235
मो-मा-अं.चौकी	69,423	2,826

वन नेशन-वन कार्ड भी कारगर

वन नेशन-वन कार्ड योजना भी उन गरीब परिवारों के लिए काफी कारगर साबित हो रही है जो मूल स्थान छोड़कर अन्यत्र रह रहे हैं। क्षेत्र के कई परिवार ऐसे हैं जो रोजी-मजदूरी के लिए गुजरात, महाराष्ट्र, जम्मू-कश्मीर, तेलंगाना व आंध्रप्रदेश के बड़े शहरों में रह रहे हैं। उन्हें वहीं पर निर्धारित मात्रा में चावल व गेंहू मिल जा रहा है। इतना ही नहीं यहां के सीमावर्ती राज्यों मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र के लोग भी रूचिनुसार पीडीएस का चावल आसानी से उठा रहे हैं। छत्तीसगढ़ खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति निगम के संचालक जितेंद्र शुक्ला ने कहा, शासकीय आदेश के तहत प्रधानमंत्री गरीब अन्न कल्याण योजना और राज्य सरकार की ओर से गरीबों के लिए चलाई जा रही अन्न योजनाओं में आने वाले पांच वर्षों तक मुफ्त राशन देने की व्यवस्था प्रदेश में लागू हो चुकी है। इसे सुचारू रूप से संपन्न कराया जा रहा है। साथ ही पात्र हितग्राहियों को इसका लाभ दिया जा रहा है। साथ ही इसकी सतत मानीटरिंग भी की जा रही है। इसके अलावा गरीबों के पोषण का ध्यान रखते हुए शासन की ओर से फोर्टीफाइड राशन का वितरण किया जा रहा है, ताकि कुपोषण के अलावा एनीमिया से भी लोगों को बचाया जा सके। इसके अलावा इस राशन का आवंटन मध्याह्न भोजन में तो किया ही जा रहा है। साथ ही दालभात केंद्रों में भी इसी राशन के वितरण की योजना बनाई जा रही है, ताकि मजदूरों को सस्ते दाम में भोजन की उपलब्धता कराई जा सके।

मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने राजनांदगांव से कृषक उन्नति सम्मेलन को वर्चुअली संबोधित करते हुए मोदी जी के नेतृत्व में देश चहुमुखी विकास कर रहा है। मोदी जी हर विभाग के लिए जनता के हित में बहुत सारे पैसे दे रहे हैं, इन पैसों को खर्च करने में हमारे पसीने छूट जाते हैं। मोदी जी ने महिलाओं का सम्मान किया, किसानों के लिए ऐसी योजनाएं बनाई जिनसे उन्हें आर्थिक मजबूती मिली।

छत्तीसगढ़ में भाजपा की एक और मोदी गारंटी पूरा हो गया। कृषक उन्नति योजना के जरिए 24.75 लाख किसानों के खाते में डीबीटी के माध्यम से 13,330 करोड़ रुपये ट्रांसफर हो गए।

देश में हो रहा चहुंमुखी विकास

एमपी सीएम डॉ. मोहन यादव

छत्तीसगढ़ में भाजपा की एक और मोदी गारंटी पूरा हो गया। कृषक उन्नति योजना के जरिए 24.75 लाख किसानों के खाते में डीबीटी के माध्यम से 13,330 करोड़ रुपये ट्रांसफर हो गए। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने धान एमएसपी की बोनस राशिकिसानों के बैंक खाते में ट्रांसफर किया।

इस दौरान मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव एवं छत्तीसगढ़ विधानसभा अध्यक्ष रमन सिंह वर्चुअल माध्यम से समारोह में सम्मिलित हुए। कृषि मंत्री रामविचार नेताम, खाद्य मंत्री दयालदास बघेल और सांसद मोहन मंडावी भी कार्यक्रम में शामिल हुए। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने राजनांदगांव से कृषक उन्नति सम्मेलन को वर्चुअली संबोधित करते हुए मोदी जी के नेतृत्व में देश चहुमुखी विकास कर रहा है। मोदी जी हर विभाग के लिए जनता के हित में बहुत सारे पैसे दे रहे हैं, इन पैसों को खर्च करने में हमारे पसीने छूट जाते हैं। मोदी जी ने महिलाओं का सम्मान किया, किसानों के लिए ऐसी योजनाएं बनाई जिनसे उन्हें आर्थिक मजबूती मिली।

छत्तीसगढ़ का विकास अब जेट गति से आगे जाएगा। छत्तीसगढ़ की जनता ने अच्छे-अच्छे गणित फैल कर दिए। 15 साल छत्तीसगढ़ में डॉ. रमन सिंह जी की सरकार रही। चारो तरफ विकास हुआ। छत्तीसगढ़ में महज तीन महीने सरकार बने हुई है, इन तीन महीनों में काम बड़ा आगे बढ़ा। ऐसा लग रहा है मानो छत्तीसगढ़ में धन की बरसात हो रही है। 22 जनवरी का दिन कोई नहीं भूल सकता, 500 वर्षों के कड़े संघर्ष के बाद आज अयोध्या में सरयू नदी के तट पर हमारे श्रीरामलला मुस्कुरा रहे हैं।

सम्मेलन को संबोधित करते हुए सीएम विष्णुदेव साय ने कहा, आज वह शुभ दिन है, जब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की गारंटी को पूरा करते हुए कृषक उन्नति योजना के अंतर्गत किसान भाइयों के बैंक खातों में 13 हजार 320 करोड़ रुपए की आदान सहायता राशि का अंतरण किया जा रहा है।151 जगह यह कार्यक्रम हुआ। कार्यक्रम में 24 लाख 75 हजार से अधिक किसानों के खातों में राशि भेजी जा रही है। इनमें से 24 लाख 72 हजार से अधिक वे किसान हैं जिन्होंने इस साल धान बेचा था। इन्हें 13 हजार 289 करोड़ रुपए की अंतर की राशि दी जा रही है।

इसी तरह 02 हजार 829 धान बीज उत्पादक किसानों को भी बीज निगम के माध्यम से अंतर राशि, 31 करोड़ रुपए से अधिक का भुगतान किया जा रहा है। इस कार्यक्रम में वर्चुअली जुड़ने पर मुख्यमंत्री साय ने मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव एवं छत्तीसगढ़ विधानसभा के अध्यक्ष डा रमन सिंह का धन्यवाद किया।

मुख्यमंत्री साय ने कहा, हमारी सरकार ने किसान भाइयों से किए गए वादे के अनुरूप अटल जी के जन्म दिवस, सुशासन दिवस पर 2 साल के बकाया धान बोनस 3716 करोड़ रुपए का अंतरण भी किसान भाइयों के खातों में कर दिया है। 13 लाख से ज्यादा किसानों को बोनस का लाभ मिला है।

ब्याज मुक्त ऋण के लिए 8,500 करोड़ रुपये का प्रविधान

राज्य के किसानों को सहकारी एवं ग्रामीण बैंकों से ब्याज मुक्त कृषि ऋण उपलब्ध कराने के लिए आठ हजार 500 करोड़ का लक्ष्य रखा गया है। इसके अलावा भूमिहीन कृषि मजदूरों की सहायता के लिए दीनदयाल उपाध्याय भूमिहीन कृषि मजदूर योजना के तहत भूमिहीन परिवारों को प्रतिवर्ष 10 हजार रुपये की आर्थिक सहायता की घोषणा की गई है। इसके लिए बजट में 500 करोड़ रुपये का प्रविधान किया गया है।

917 रुपये प्रति क्विंटल के मान से होगा भुगतान

खरीफ विपणन वर्ष 2023-24 में 24.72 लाख किसानों से 144.92 लाख टन धान खरीदी की गई थी, जिसके एवज में किसानों को 31 हजार 914 करोड़ रुपये का भुगतान किया गया। अब किसानों को धान के मूल्य में अंतर की राशि कुल बेचे गए धान के मुताबिक होगी। प्रति क्विंटल अधिकतम 917 रुपये के हिसाब से किसानों को राशि प्राप्त होगी। कृषक उन्नति योजना के लिए राज्य सरकार ने इस साल के बजट में 10 हजार करोड़ और पिछले साल के अनुपूरक बजट में तीन हजार करोड़ इस प्रकार कुल 13 हजार करोड़ रुपए की व्यवस्था की है।

कृषि क्षेत्र के लिए यह निर्णय

सूरजपुर जिले के सिलफिली एवं रायगढ़ में शासकीय उद्यानिकी एवं वानिकी महाविद्यालय, तथा मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले के खडगंवा में कृषि महाविद्यालय प्रारंभ होगा। कृषि में आधुनिक उपकरणों के प्रयोग को बढ़ावा देने के लिए कृषि अभियांत्रिकी संचालनालय की स्थापना एवं राज्य स्तरीय नवीन कृषि यंत्र परीक्षण प्रयोगशाला के भवन का निर्माण, दुर्ग एवं सरगुजा जिले में कृषि यंत्री कार्यालय तथा रासायनिक उर्वरकों की जांच के लिए सरगुजा जिले में गुणवत्ता नियंत्रण प्रयोगशाला की स्थापना की जाएगी।

इस साल प्रदेश में 145 लाख टन धान की रिकॉर्ड खरीदी हुई है, जो पिछली सरकार द्वारा की गई खरीदी से 37 लाख मीटरिक टन अधिक है। मोदी जी ने गारंटी दी थी कि छत्तीसगढ़ में सरकार बनने पर गरीबों के लिए 18 लाख आवासों का निर्माण किया जाएगा। सरकार बनने के दूसरे ही दिन हमने कैबिनेट की बैठक में इस बारे में निर्णय ले लिया है, अप्रैल माह से तीव्र गति से मकान बनने शुरू होंगे।

मोदी जी ने महिलाओं को महतारी वंदन योजना शुरू करने की गारंटी दी थी। यह योजना भी शुरू हो चुकी है। परसों 10 मार्च को माननीय प्रधानमंत्री जी के करकमलों से राज्य की 70 लाख माताओं और बहनों के बैंक खातों में 655 करोड़ रुपए की राशि अंतरित कर दी गई है।

सीएम साय ने कहा, मोदी जी ने वनवासी भाइयों से वादा किया था कि तेन्दूपत्ता संग्रहण पारिश्रमिक दर 4000 रुपए मानक बोरा से बढ़ाकर 5500 रुपए कर देंगे। आज से ही इस योजना की भी शुरूआत हो जाएगी। हमने दीनदयाल उपाध्याय भूमिहीन कृषि मजदूर योजना के अंतर्गत भूमिहीन कृषि मजदूरों को हर साल 10 हजार रुपए की आर्थिक सहायता देने का निर्णय भी लिया है।

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री के रूप में मोदी जी ने जो दायित्व सौंपे हैं। उन्हें हम हर हाल में पूरा करेंगे। हमने रामलला दर्शन योजना की शुरुआत भी कर दी है। यह योजना सरकारी खर्च पर चलेगी। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय धान के अंतर की राशि का वितरण करने बालोद के सरयू प्रसाद अग्रवाल स्टेडियम में आयोजित कृषक उन्नति सम्मेलन कार्यक्रम में पहुंचे। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का स्थानीय लोगों ने गजमाला से स्वागत एवं सम्मान किया।

कार्यक्रम में मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव राजनांदगांव से कृषक उन्नति सम्मेलन को वर्चुअली जुड़े। कृषक उन्नति योजना के माध्यम से राज्य सरकार की सबसे बड़ी गारंटी भी पूरी हो गई, जिसमें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने विधानसभा चुनाव के पहले चुनावी सभा में 3100 रुपये प्रति क्विंटल के मान से धान खरीदी का वादा किया था।

छह वर्ष में 6.50 करोड़ लोग हुए लाभान्वित

आयुष्मान भारत कार्ड बनाने में

छत्तीसगढ़ शीर्ष राज्यों में शामिल

छत्तीसगढ़ में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की महत्वकांक्षी आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (एबी-पीएमजेएवाई) से लोग काफी लाभान्वित हो रहे हैं।

छत्तीसगढ़ में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की महत्वकांक्षी आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (एबी-पीएमजेएवाई) से लोग काफी लाभान्वित हो रहे हैं। प्रदेश में 2018 से अब तक 6,50,59,465 लोगों का इलाज हो चुका है। आयुष्मान योजना के तहत कार्ड बनाने में देश के सर्वोच्च दस राज्यों में छत्तीसगढ़ पांचवें स्थान पर है। प्रदेश में अब तक 2,15,76,705 करोड़ कार्ड बनाया जा चुका है। इसमें 1,11,20,927 महिलाएं, 1,04,54,504 पुरूष और 1274 अन्य शामिल हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्ष-2018 में प्रधानमंत्री जनआरोग्य योजना का शुभारंभ बीजापुर से किया था। आयुष्मान योजना में एपीएल परिवार को 50 हजार तथा बीपीएल काडर्धारक परिवार को पांच लाख तक निःशुल्क इलाज मिलता है।

राज्य सरकार की ओर से इस योजना के तहत दस लाख तक करने की घोषणा की है। आयुष्मान कार्ड सरकारी के साथ निजी अस्पतालों में भी मान्य है। प्रदेश में 1031 शासकीय संस्थानों और 551 निजी अस्पतालों में निश्शुल्क इलाज की सुविधा प्राप्त की जा सकती है। प्रदेश में कांग्रेस की सरकार बनने के बाद आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के साथ डा. खूबचंद बघेल स्वास्थ्य सहायता योजना को जोड़ दिया गया था।

वर्तमान में भाजपा की सरकार बनने के बाद अब इसे आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के साथ शहीद वीरनारायण सिंह आयुष्मान स्वास्थ्य योजना के नाम से संचालित करने का निर्णय लिया है। केंद्र और राज्य सरकार के निर्देश के बाद अधिकारियों की ओर से आयुष्मान कार्ड बनाने में कोई कसर नही छोड़ी जा रही है।

केंद्र और राज्य सरकार के निर्देश के बाद अधिकारियों की ओर से आयुष्मान कार्ड बनाने में कोई कसर नही छोड़ी जा रही है। स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारी अब गांव-गांव, घर-घर पहुंचकर लोगों का आयुष्मान कार्ड बना रहे हैं। स्वास्थ्य विभाग की ओर से शत-प्रतिशत लोगों को शासन की ओर से मिलने वाले निःशुल्क इलाज की सुविधा उपलब्ध कराने का लक्ष्य रखा गया है।

दस लाख निःशुल्क इलाज पर मंथन शुरू

प्रदेश में सरकार ने अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) की तर्ज पर हर संभाग में छत्तीसगढ़ इंस्टीट्यूट आफ मेडिकल साइंस (सिम्स) बनाने की घोषणा की है। ऐसे में प्रदेश के रायपुर, बिलासपुर, दुर्ग-भिलाई, बस्तर और सरगुजा में सिम्स बनाए जा सकते हैं। मुख्यमंत्री ने आयुष्मान कार्ड के तहत निश्शुल्क इलाज की सुविधा पांच लाख रुपये से बढ़ाकर 10 लाख रुपये करने की घोषणा की है, जिसके लिए मंथन शुरू हो गया है। स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल के साथ इसे लेकर तीन से चार बैठकें भी हो चुकी हैं। स्वास्थ्य मंत्री ने विचार-विमर्श लेकर प्रस्ताव और कायर्योजना बनाने के निर्देश दिए है। प्रोजेक्ट से जुड़े अधिकारियों का कहना है कि दस लाख निःशुल्क इलाज पर सिर्फ एक पेंच फंसा हुआ है कि एपीएल, बीपीएल या सभी को इसमें शामिल करना है। इसका निर्णय राज्य शासन की ओर से किया जाना है। आयुष्मान भारत योजना स्टेट नोडल एजेंसी के उपसंचालक डा. खेमराज सोनवानी ने कहा, स्वास्थ्य कर्मचारी घर-घर जाकर आयुष्मान कार्ड बनाने के साथ लोगों को भी प्रशिक्षित कर रहे हैं। मोबाइल से भी कार्ड बनाया जा सकता है। शत-प्रतशित आयुष्मान कार्ड बनाने का लक्ष्य पूरा करने का प्रयास किया जा रहा है। योजना में निजी अस्पतालों की संख्या बढ़ाने पर विचार किया जा रहा है। स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने कहा, सरकार की ओर से जो भी घोषणाएं की गई हैं, उसे पूरा किया जाएगा। मोदी की गारंटी को एक-एक करके पूरा किया जा रहा है। प्रदेश में स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार और विकास को लेकर लगाकर काम किया जा रहा है। डाक्टर और कमर्चारियों की भर्ती प्रक्रिया भी जल्द शुरू होगी।

फैक्ट फाइल

- 2,15,76,705 बन चुके हैं कार्ड
- 3,41,876 कार्ड बने हैं केवल 30 दिनों में
- 1,031 शासकीय अस्पताल योजना से संबद्ध
- 551 निजी अस्पतालों में योजना से इलाज
- 1,11,20,927 महिलाओं के बन चुके कार्ड
- 1,04,54,504 पुरूष व अन्य के बने कार्ड

आयु के अनुसार बने कार्ड

आयु वर्ग	*आयुष्मान कार्ड*
0-4	1,84,583
5-14	24,87,812
15-29	6,03,384
30-44	62,42,523
45-59	41,41,866
60 से अधिक	24,16,536

अब कितने कार्ड बनें

रायपुर	17,10,628
जांजगीर-चांपा	14,08,469
दुर्ग	14,03,693
राजनांदगांव	12,75,518
बिलासपुर	12,07,996
बलौदाबाजार	11,99,045
रायगढ़	11,19,547
महासमुंद	10,65,605
कोरबा	9,28,790
धमतरी	7,65,472
बालोद	7,64,133
बेमेतरा	7,54,010
सरगुजा	7,53,499
जशपुर	7,51,662
सुरजपुर	6,78,638
कांकेर	6,64,201
बलरामपुर	6,61,073
कबीरधाम	6,54,824
मुंगेली	6,46,920
बस्तर	6,09,997
गरियाबंद	5,53,588
कोंडागांव	4,86,716
कोरिया	3,85,421
दंतेवाड़ा	1,85,243
जीपीएम	1,64,378
बीजापुर	1,46,474
सुकमा	1,44,212
सारंगढ़-बिलाईगढ़	1,04,306
नारायणपुर	1,03,290
सक्ती	69,277
एमएमए	62,960
केसीजी	58,338
एमसीभी	57,124

मोबाइल से घर बैठे आयुष्मान कार्ड बनाने की सुविधा

आयुष्मान कार्ड बनाने के लिए च्वाइस सेंटर और अन्य स्थानों पर जाने की जरूरत नही हैं। अब घर बैठे मोबाइल पर आयुष्मान कार्ड बनाया जा सकता है। आयुष्मान कार्ड बनाने के लिए सर्वप्रथम प्ले स्टोर से आयुष्मान एप एवं आधार फेस आइडी एप को डाउनलोड कर लें। इसके बाद आयुष्मान एप में लागिन पर जाएं और बेनिफिसरी विकल्प को चुनें। फिर मोबाइल नंबर दर्ज करें। ओटीपी डालकर लागिन करें। स्टेट छत्तीसगढ़ व स्कीम राशन कार्ड विकल्प का ही चयन करें। सर्च बाय में डिस्ट्रिक में जिला चुनें और फैमिली आइडी में राशन कार्ड नंबर दर्ज कर सर्च करें। परिवार के स्वजन की जानकारी प्रदर्शित होगी। जिन सदस्यों का नाम हरा रंग में होगा, उनका आयुष्मान कार्ड बन चुका है। जिन सदस्यों का नाम नारंगी रंग में होगा, उनका कार्ड बनाना होगा। उनके नाम के सामने डू ई-केवाइसी विकल्प प्रदर्शित होगा। डू ई-केवाइसी विकल्प का चयन करें आगे आधार प्रमाणीकरण व सत्यापन के लिए चार विकल्प आधार ओटीपी, फिंगर प्रिंट, ईरिस स्कैन व फेस एथेंटिफिकेशन प्रदर्शित होंगे। यदि आधार कार्ड से लिंक मोबाइल नंबर उपलब्ध हैं, तो आधार ओटीपी विकल्प का चयन करें और यदि आधार से लिंक मोबाइल नंबर उपलब्ध नहीं हो तो फेस एथेंटिफिकेशन विकल्प का चयन करें। यदि फिंगर प्रिंट बायोमेट्रिक डिवाइस उपलब्ध हैं, तो फिंगर प्रिंट विकल्प का चयन कर आधार प्रमाणीकरण पूर्ण कर लें। आधार प्रमाणीकरण के बाद कैप्चर फोटो विकल्प पर जाकर अपना क्लोजअप फोटो अपलोड करें।

मोदी मैजिक के सामने कांग्रेस अपने सभी बड़े को किया आगे

विरोध के बीच भूपेश के लोगों को मौका, बड़े चेहरे उतारे, *भाजपा सिर्फ मोदी के भरोसे*

भूपेश बघेल को कुछ-एक जगह विरोध का सामना करना पड़ रहा है। राजनांदगांव में मंच से उन्हें एक कांग्रेसी नेता ने जमकर खरी-खोटी सुनाई, तो उनकी ही पार्टी के वरिष्ठ सदस्य ने उनके खिलाफ लैटर लिख दिया। सत्ता जाने के बाद विरोधों के ये स्वर सुनाई दे रहे हैं, बावजूद इसके टिकट वितरण में भूपेश बघेल की पसंद का ख्याल रखा गया है। भूपेश बघेल की पसंद को तवज्जो दिए जाने के दो कारण हो सकते हैं। पहला यह कि ज्यादातर पावरफुल पोजिशन में रहे मंत्री इस समय चुनाव लड़ने में सक्षम हैं और खर्च करने में भी। दूसरा यह कि ये सभी कांग्रेस के बड़े चेहरे रहे हैं। इस समय मोदी लहर का सामना करना है तो बड़े चेहरों को ही आगे आना होगा, जिससे प्रदेश में कांग्रेस के पक्ष में माहौल बने।

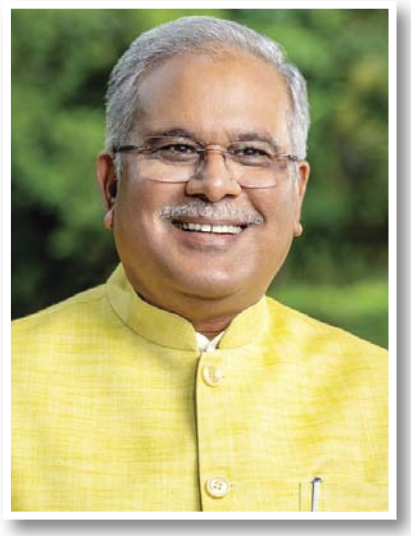

भूपेश बघेल, कांग्रेस
राजनांदगांव लोकसभा प्रत्याशी

देवेन्द्र यादव, कांग्रेस
बिलासपुर लोकसभा प्रत्याशी

कवासी लखमा, कांग्रेस
बस्तर लोकसभा प्रत्याशी

कांग्रेस की लिस्ट आते ही छत्तीसगढ़ में सियासी गहमागहमी शुरू हो गई है। लोग नामों को आमने-सामने करके तुलना करने में लगे हैं। जब इन नामों को आमने-सामने करते हैं, तो साफ दिखता है कि भाजपा के मोदी मैजिक के सामने कांग्रेस अपने सभी बड़े कद वाले नामों को आगे कर चुकी है। दूसरी बात यह कि ज्यादातर टिकटों में भूपेश बघेल की चली है। उनकी पसंद से या तो टिकट मिले हैं या किसी और को दूसरी जगह शिफ्ट किया गया है। भूपेश बघेल को कुछ-एक जगह विरोध का सामना करना पड़ रहा है। राजनांदगांव में मंच से उन्हें एक कांग्रेसी नेता ने जमकर खरी-खोटी सुनाई, तो उनकी ही पार्टी के वरिष्ठ सदस्य ने उनके खिलाफ लैटर लिख दिया। सत्ता जाने के बाद विरोधों के ये स्वर सुनाई दे रहे हैं, बावजूद इसके टिकट वितरण में भूपेश बघेल की पसंद का ख्याल रखा गया है। भूपेश बघेल की पसंद को तवज्जो दिए जाने के दो कारण हो सकते हैं। पहला यह कि ज्यादातर पावरफुल पोजिशन में रहे मंत्री इस समय चुनाव लड़ने में सक्षम हैं और खर्च करने में भी। दूसरा यह कि ये सभी कांग्रेस के बड़े चेहरे रहे हैं। इस समय मोदी लहर का सामना करना है तो बड़े चेहरों को ही आगे आना होगा, जिससे प्रदेश में कांग्रेस के पक्ष में माहौल बने। छत्तीसगढ़ की 11 सीटों पर कांग्रेस ने एक पूर्व मुख्यमंत्री, तीन पूर्व मंत्री, दो वर्तमान विधायक, राजपरिवार से एक उम्मीदवार दिए हैं।

कांग्रेस सरकार में आबकारी मंत्री रहे और वर्तमान में सुकमा के कोंटा से विधायक कवासी लखमा को बस्तर से उतारकर मौजूदा सांसद और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज का पत्ता काट दिया गया है। दीपक बैज हाल ही में हुए विधानसभा चुनाव में चित्रकोट सीट से हार गए थे। हालांकि विधानसभा चुनाव से ठीक पहले उन्हें अध्यक्ष बनाया गया था।

बृजमोहन के आगे कितना टिकेंगे विकास

भाजपा ने राज्य के सबसे कद्दावर मंत्री बृजमोहन अग्रवाल को रायपुर लोकसभा की सीट से उतारकर चौकाया था। अब कांग्रेस ने रायपुर पश्चिम के पूर्व विधायक विकास उपाध्याय को मैदान में उतारा है। विकास राजेश मूणत से बुरी तरह हारे हैं। बृजमोहन अग्रवाल के आगे उनका अनुभव बहुत कम है। हालांकि वे संसदीय सचिव भी रह चुके हैं। विधानसभा चुनाव में सांप्रदायिक ध्रुवीकरण जिस तरह हुआ, उसका साफ असर दिखा।

भूपेश को राजनांदगांव से लड़वाने से क्या फर्क पड़ेगा

राजनांदगांव लोकसभा क्षेत्र विधानसभा सीटों के हिसाब से कांग्रेस के लिए मजबूत सीट है। राजनांदगांव में ओबीसी की संख्या ज्यादा है। भूपेश बघेल ओबीसी वर्ग से आते हैं। भाजपा से ब्राह्मण कैंडिडेट और वर्तमान सांसद संतोष पांडेय मैदान में हैं। संतोष पांडेय के लिए निश्चित रूप से भूपेश के उतरने से चुनौती बढ़ेगी। अब मोदी का चेहरा और राम का नाम संतोष पांडेय के काम आएगा। वे अग्रेसिव लीडर हैं। बस्तर में धर्मांतरण के मुद्दे पर भी उन्होंने मोर्चा संभाला था।

कांग्रेस के बड़े चेहरों का गणित

राजनांदगांव से पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल खुद मैदान में हैं। भाजपा ने केवल दो सांसदों को उम्मीदवार के तौर पर रिपीट किया है। उनमें एक दुर्ग से विजय बघेल हैं और दूसरे राजनांदगांव से संतोष पांडे। कहा जा रहा है कि टिकट वितरण के दो महीने पहले से राजनांदगांव में भूपेश अपनी सियासी बिसात बिछा चुके थे। उधर, कांग्रेस सरकार में आबकारी मंत्री रहे और वर्तमान में सुकमा के कोंटा से विधायक कवासी लखमा को बस्तर से उतारकर मौजूदा सांसद और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज का पत्ता काट दिया गया है। दीपक बैज हाल ही में हुए विधानसभा चुनाव में चित्रकोट सीट से हार गए थे। हालांकि विधानसभा चुनाव से ठीक पहले उन्हें अध्यक्ष बनाया गया था। इधर, एक और विधायक देवेंद्र यादव को भी कांग्रेस ने मैदान में उतार दिया है। भिलाई नगर के विधायक देवेंद्र यादव पर कोल स्कैम का केस चल रहा है। ये इत्तेफाक है कि जिस हाईकोर्ट ने उनकी याचिका खारिज की है, उसी न्यायधानी से वे चुनाव लड़ेंगे। ताम्रध्वज साहू भी कांग्रेस सरकार में गृह मंत्री रह चुके हैं। उन्हें महासमुंद के चुनावी रण में उतारा गया है।

कांग्रेस पर बाहरी का ठप्पा ज्यादा

ये बात जरूर है कि कांग्रेस बड़े चेहरों के साथ मैदान में उतर रही है, लेकिन कई चेहरों को बाहर लड़ाई लड़नी पड़ेगी। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल खुद दुर्ग से बाहर जाकर राजनांदगांव से चुनाव लड़ रहे हैं। कांग्रेस ने भिलाई नगर के विधायक देवेंद्र यादव को बिलासपुर भेज दिया है। बिलासपुर के लिए देवेंद्र यादव एकदम नया नाम है। वहां इनकी कोई राजनीतिक जमीन नहीं है। ताम्रध्वज साहू को दुर्ग से उठाकर महासमुंद में स्थापित कर दिया गया है। शिव डहरिया भी जांजगीर लोकसभा सीट से चुनाव लड़ रहे हैं। हालांकि वे जाजंगीर क्षेत्र से 2009 में चुनाव हार चुके हैं। इन सभी के सामने भाजपा ने स्थानीय चेहरों को तवज्जो दी है। राजनांदगांव में भूपेश के सामने संतोष पांडेय, जांजगीर में शिव डहरिया के सामने कमलेश जांगड़े, बिलासपुर में देवेंद्र यादव के सामने तोखन साहू और महासमुंद में ताम्रध्वज साहू के सामने रूप कुमारी चौधरी को भाजपा ने उतारा है। भाजपा की बात की जाए, तो सिर्फ कोरबा में सरोज पांडेय को बाहरी होने का ताना सुनना पड़ रहा है। बाकी सभी जगह संसदीय क्षेत्र से ही नाम दिए गए हैं।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के एक फोन कॉल पर रूस-यूक्रेन ने साढ़े 4 घंटे युद्ध विराम किया था, ताकि करीब 25 हजार भारतीय छात्रों को सुरक्षित तनाव ग्रस्त इलाके से बाहर निकाला जा सके। इसके लिए पीएम मोदी ने रूस, यूक्रेन और अमेरिका के राष्ट्रपति से फोन पर बात की थी। राजनाथ सिंह ने ये बातें रायपुर के साइंस कॉलेज मैदान में आयोजित किसान महाकुंभ के आयोजन के दौरान कही।

कांग्रेस कार्यकाल में खेती के बजट की तुलना करते हुए कहा कि, 2014 से हमने 5 गुना बजट बढ़ाया है। उनके मुताबिक जल्द किसानों के लिए 300 यूनिट तक बिजली फ्री होगी।

पीएम के एक कॉल पर रूस-यूक्रेन ने किया युद्धविराम : राजनाथ सिंह

छत्तीसगढ़ को मैं अच्छी तरह जानता हूं। छत्तीसगढ़िया संस्कृति से मैं अच्छी तरह परिचित हूं। यह प्रदेश किसानों का गढ़ है। अगर प्रदेश का भाग्य बनाना है तो किसानों के भाग्य को बनाना होगा। छत्तीसगढ़ की जनता के सामर्थ्य पर हमें पूरा विश्वास है। कांग्रेस ने प्रदेश को बर्बाद किया।

प्रधानमंत्री ने जिस तरह की नीतियां बनाई है उससे देश की 25 करोड़ जनता गरीबी रेखा से बाहर आ गई है। इस बार मोदीजी के नेतृत्व में सरकार बनाइए एक भी झोपड़ी नहीं रहने देंगे। सबको पक्का मकान मुहैया कराएंगे। हर घर में नल से जल मिलेगा। छत्तीसगढ़ की जनता ने सत्ता परिवर्तन कर अपनी जागरूकता का परिचय दिया है। छत्तीसगढ़ में किसानों को हम मिट्टी के स्वास्थ्य का कार्ड मुहैया कराएंगे। हेल्थ कार्ड से किसान समझ पाएगा कि उसकी मिट्टी में किस चीज की कमी है।

राजनाथ सिंह ने कहा कि, छत्तीसगढ़ में 100 दिन में ही विकास पटरी पर लौट आया है। बीच में 5 साल के लिए कांग्रेस की सरकार में भ्रष्टाचार का बोलबाला था। विष्णुदेव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ अब तेजी से आगे जाएगा। शहीद और वीरों की जन्मभूमि पर किसानों से बात करने का सौभाग्य मिला है।

'किसानों की परेशानी नहीं बढ़ने देंगे'

एक बोरी यूरिया खाद की कीमत यहां 300 रुपए है। वहीं अमेरिका में इसकी कीमत 3000 रुपए है। मोदी की गारंटी है किसी भी कीमत में किसानों की परेशानी नहीं बढ़ने देंगे। छत्तीसगढ़ में जो मोटा अनाज पैदा होता है उसे मोदीजी ने श्री अन्न कहा है। खेती का बजट 2014 से पहले 25 हजार करोड़ रुपए था। अब मोदीजी ने खेती का बजट 1 लाख 25 हजार करोड़ रुपए कर दिया है। फसल बीमा योजना को लागू किया गया। कांग्रेस गेहूं का न्यूनतम समर्थन मूल्य 1040 रुपए दे रही थी। हम 2125 रुपए प्रति क्विंटल देंगे।

'किसानों को 300 यूनिट तक की बिजली फ्री देंगे'

राजनाथ सिंह ने कहा कि, बीजेपी सरकार सोलर लाइट की व्यवस्था कर रही हैं। सूर्य से बिजली बनाई जाएगी। 300 यूनिट तक की बिजली किसानों के लिए फ्री कर देंगे। आपका बिजली का बिल जीरो हो जाएगा। डबल इंजन की सरकार ही वादा पूरा कर सकती है। प्रधानमंत्री मोदी को देश की माताओं-बहनों के सम्मान का ख्याल है। क्या किसी ने पहले शौचालय बनाने का सोचा था? लिए माताओं-बहनों को बाहर ना जाना पड़े यह किसी ने सोचा था क्या? इस तरह की संवेदनशीलता सिर्फ प्रधानमंत्री मोदी जी के अंदर है।

प्रधानमंत्री ने जिस तरह की नीतियां बनाई है उससे देश की 25 करोड़ जनता गरीबी रेखा से बाहर आ गई है। इस बार मोदीजी के नेतृत्व में सरकार बनाइए एक भी झोपड़ी नहीं रहने देंगे। सबको पक्का मकान मुहैया कराएंगे। हर घर में नल से जल मिलेगा। छत्तीसगढ़ की जनता ने सत्ता परिवर्तन कर अपनी जागरूकता का परिचय दिया है। छत्तीसगढ़ में किसानों को हम मिट्टी के स्वास्थ्य का कार्ड मुहैया कराएंगे।

प्रदेश में किसानों के लिए रिकॉर्ड बना

बीजेपी किसान मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष ने बताया कि किसान महा सम्मेलन में प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजकुमार चाहर समेत राष्ट्रीय पदाधिकारियों का संबोधन होगा। प्रदेश सरकार ने प्रति एकड़ 21 क्विंटल धान 31 सौ रुपए प्रति क्विंटल की दर से खरीदने का वादा पूरा किया है, जिसका लाभ सीधे किसान भाइयों को हो रहा है। उन्होंने कहा कि किसान क्रेडिट कार्ड बनाकर सेठ-साहूकारों के चंगुल से किसानों को मुक्ति दिलाने का काम भी भाजपा सरकार ने किया है। सरकार बनते ही किसानों के हित में बड़े फैसले लिए गए। वादे के मुताबिक पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के जन्मदिवस पर 13 लाख किसानों के खाते में 3, 716 करोड़ रुपए दो साल के बकाया बोनस के तौर पर सीधे जमा किए गए। ढाई महीने में ही बीजेपी सरकार ने कई बड़े फैसले ले लिए हैं। 18 लाख आवास का फैसला पहली कैबिनेट में ही ले लिया गया था। 13 दिसंबर को शपथ ग्रहण हुआ और 14 दिसंबर को हमने यह फैसला ले लिया। 2 साल का बकाया बोनस भी 12 लाख से ज्यादा किसानों को हमने दे दिया है। अटलजी के जन्मदिन 25 दिसंबर को हमने 3716 करोड़ रुपए हमने ट्रांसफर कर दिए।

कांग्रेस ने कभी नहीं सोचा : साय

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि, भारतीय जनता पार्टी किसान लोगों की पार्टी है। किसान के लिए कांग्रेस ने कभी नहीं सोचा। किसान क्रेडिट कार्ड, फसल बीमा योजना के साथ किसानों की आय बढ़ाने के लिए तरह तरह के उपाय बीजेपी ने किए हैं। मोदी की गारंटी पर जनता ने जो भरोसा किया उसपर हम खरा उतर रहे हैं। ढाई महीने में ही बीजेपी सरकार ने कई बड़े फैसले ले लिए हैं। 18 लाख आवास का फैसला पहली कैबिनेट में ही ले लिया गया था। 13 दिसंबर को शपथ ग्रहण हुआ और 14 दिसंबर को हमने यह फैसला ले लिया। 2 साल का बकाया बोनस भी 12 लाख से ज्यादा किसानों को हमने दे दिया है। अटलजी के जन्मदिन 25 दिसंबर को हमने 3716 करोड़ रुपए हमने ट्रांसफर कर दिए।

गरीबों की सरकार : शर्मा

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए डिप्टी सीएम विजय शर्मा ने कहा कि रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह किसानों के नेता हैं। इनके रक्षा मंत्री रहते किसी देश की ताकत नहीं है कि कोई हमारी तरफ आंख उठाकर भी देख ले। उन्होंने कहा कि बीजेपी की सरकार किसानों, गरीबों की सरकार है। जब-जब बीजेपी की सरकार बनती है, मेहनत से काम होता है। किसान पहले सूदखोरों के चक्कर में पड़े रहते थे। जब अटल जी प्रधानमंत्री बने तो उन्होंने किसानों के हाथ पर किसान क्रेडिट कार्ड देकर उन्हें ताकत दी। फसल बीमा पहले कहीं नहीं था, इसे लागू करके किसानों के हित को सुरक्षित करने वाली भी बीजेपी की सरकार है।

कुर्सी का रण

लोकसभा चुनाव 2024

चुनावी शंखनाद

राज्य
31

केंद्र शासित राज्य
8

चुनावी चरण
7

नतीजे
4
जून 2024

लोकसभा सीट
543
G 412 ST 84 SC 47

मतदाता
96.8 करोड़
47.1 करोड़ | 49.7 करोड़
नए मतदाता - 1.82 करोड़

10.5 लाख पोलिंग बूथ | 55 लाख EVM | 1.5 करोड़ पोलिंग स्टाफ

भाजपा-कांग्रेस के लोकसभा प्रत्याशी

लोकसभा चुनाव 2024

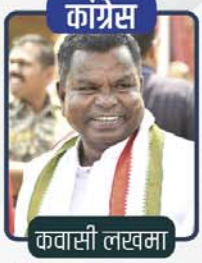

बस्तर

भाजपा

महेश कश्यप

कांग्रेस

कवासी लखमा

मतदान - 19 अप्रैल 2024

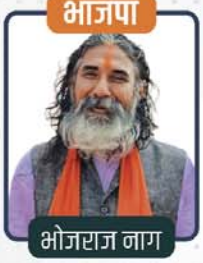

कांकेर

भाजपा

भोजराज नाग

कांग्रेस

बिरेश ठाकुर

मतदान - 26 अप्रैल 2024

महासमुंद

भाजपा

रुपकुमारी चौधरी

कांग्रेस

ताम्रध्वज साहू

मतदान - 26 अप्रैल 2024

राजनांदगांव

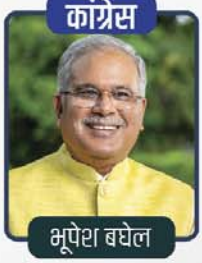

भाजपा

संतोष पांडेय

कांग्रेस

भूपेश बघेल

मतदान - 26 अप्रैल 2024

दुर्ग

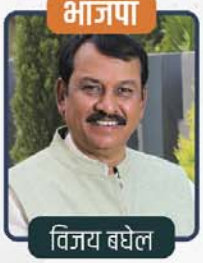

भाजपा

विजय बघेल

कांग्रेस

राजेंद्र साहू

मतदान - 07 मई 2024

रायपुर

भाजपा

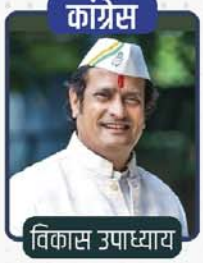

बृजमोहन अग्रवाल

कांग्रेस

विकास उपाध्याय

मतदान - 07 मई 2024

बिलासपुर

भाजपा

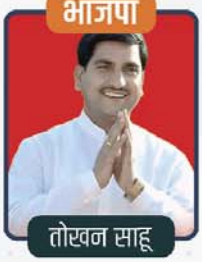

तोखन साहू

कांग्रेस

देवेन्द्र यादव

मतदान - 07 मई 2024

जांजगीर

भाजपा

कमलेश जांगड़े

कांग्रेस

डॉ. शिव डहरिया

मतदान - 07 मई 2024

रायगढ़

भाजपा

राधेश्याम राठिया

कांग्रेस

डॉ. मेनका सिंह

मतदान - 07 मई 2024

सरगुजा

भाजपा

चिंतामणि महाराज

कांग्रेस

शशि सिंह

मतदान - 07 मई 2024

कोरबा

भाजपा

सरोज पांडेय

कांग्रेस

ज्योत्सना महंत

मतदान - 07 मई 2024

रजिस्ट्रार्स ऑफिस सेलरी अर्नर्स क्रेडिट को-आपरेटिव सोसायटी लिमिटेड

पंजीयन – ए.आर./डी.आर.जी./2067,दिनांक 05.08.1967
(बी.एस.पी. को.ऑप. कोड नं. 72)
फोन नं. – 0788–2220121, e-mail : rosesociety2067@gmail.com

सीमांचल बेहेरा
अध्यक्ष

आर्थिक संबल एवं पारिवारिक सुखद भविष्य हेतु हम कार्यरत् है

हमारी आकर्षक सुविधायें :-

1) बी.एस.पी. कर्मचारियों के वेतन पर त्वरित ऋण सुविधा।
2) समस्त सदस्यों के लिए न्यूनतम दर पर बीमा।
3) सदस्यों को आसान शर्तो पर 12% वार्षिक ब्याज दर पर शीघ्र ऋण वितरण।
4) बी.एस.पी. कर्मचारियों के नये सदस्य बनने पर संस्था द्वारा तत्काल उपहार दिया जावेगा।
5) ऋणी बीमाकृत सदस्य की मृत्यु उपरांत बीमित राशी से ऋण खाता बंद किया जाना।

* नियम एवं शर्ते लागू है।

–: प्रबंध कार्यकारिणी समिति :–

श्री बालेश्वर सिंह जगत (उपाध्यक्ष), अनुराधा ध्रुव (उपाध्यक्ष), श्री जे.के. पाण्डेय (संचालक)
श्री जोगेश्वर राव (संचालक), श्री ऊषाकर चौधरी (संचालक), श्री गौरव कुमार (संचालक)
श्री रोहित कुमार पाण्डेय (संचालक), श्रीमती रीना कुमारी (संचालक)
श्री वेगी अविनाश (जिला सह. संघ प्रतिनिधि), श्री पी.माधव राव (को.ऑप. प्रिंटिंग प्रेस)

**कार्या. पता : 501/सेन्ट्रल एवन्यू, (सेक्टर–4 भारत पेट्रोल पंप के सामने)
सेक्टर–2, भिलाई, जिला–दुर्ग (छ.ग.)**

राम की गाथा

विनोद साव

पुराण कथाओं के आख्यानकर्ता (माइथोलॉजिस्ट) देवदत्त पटनायक की किताब 'राम की गाथा' पढने में आई. अपनी पुस्तक की भूमिका में वे लिखते हैं "राम की कहानी जनता के पास क्लिष्ट संस्त भाषा के पाठों के माध्यम से नहीं पहुंची है बल्कि स्थानीय भाषाओँ में नाटकों, गानों और नृत्य की प्रस्तुतियों से पहुंची है. मैंने यह किताब आम आदमी के राम के गुणगान में लिखी है." लेखक ने राम की कथा गाथा को लेकर जो अनेक भ्रम पैदा होते हैं उनका तोड़ यहां प्रस्तुत किया है. पुराणों के अपने गहन और विशाल अध्ययन से वे हर कहीं से कथा से सम्बद्ध संदर्भ जुटा लेते हैं और कथाओं के मूल स्रोत को खोज निकालते हैं. यह बताते हुए कि धर्म और विज्ञान के रास्ते अलग अलग हैंय विज्ञान प्रमाण की मांग करता है, धर्म किसी तरह के प्रमाण की मांग नहीं करता वह आस्था जनित और आस्था आश्रित होता है.. फिर भी लेखक धार्मिक तथ्यों की प्रामाणिकता जुटाने का हर संभव प्रयास करते हैं ताकि इन पुराकथाओं को आधुनिक समय के अनुकूल ग्राह्य और प्रेरक बनाया जा सके. जैसे वाल्मीकि ने अपने युग के अनुसार लिखा और तुलसी तथा अनेक कथावाचकों ने अपने अपने युग के अनुकूल कथा का परायण किया है. इस ग्रंथ में लेखक ने रामायण के चरित्रों को क्रमवार रखकर हर पात्र के परिचय और उनके विकास को उसके उद्गम से निकाला है. यहां इस ग्रंथ के ऐसे ही महत्वपूर्ण अंश दिए जा रहे हैं.

लेखक द्वारा दिए गए कई प्रमाण हमारे परम्परागत ज्ञान से अलग हैं जैसे कि संस्त में लिखी गई वाल्मीकि रामायण दो हजार वर्ष पूर्व ही लिखी गई है और वाल्मीकि के डाकू होने का कोई उल्लेख नहीं मिलता है. उनके डाकू से ऋषि के रूप में परिवर्तित होने की कथा मात्र पांच सौ वर्ष पूर्व के भक्तिकाल में प्रचलित स्कन्द पुराण तथा अन्य क्षेत्रीय भाषाओँ के ग्रंथों में पाई जाती है.

१२ वी शताब्दी के बाद जब भारत में अनेक स्थानीय भाषाओँ ने रूपाकार लेना शुरू किया तो कवियों ने रामायण की रचना स्थानीयं भाषाओँ में की. अधिकतर भाषाओँ में रामायण ही पहली साहित्यिक ति थी. आश्चर्य जनक है कि अवधी (हिंदी) में जब तुलसीदास ने संवत सोलह सौ एकतीसा में रामचरित मानस लिखा उसके चार सो वर्ष पहले तमिल में कंबन मुनि ने 'रामायण' लिख डाली थी और १३ वीं शताब्दी में तेलुगु में बुद्ध रेड्डी ने 'रघुनाथ रामायण', १४ वीं में असमिया भाषा में माधव कान्दली ने 'कथा रामायण', १५ वीं शताब्दी में उड़िया में बलराम दास ने 'दंडी रामायण', कन्नड़ में नरहरि ने 'तोरवे रामायण', तिवास ने 'बांग्ला

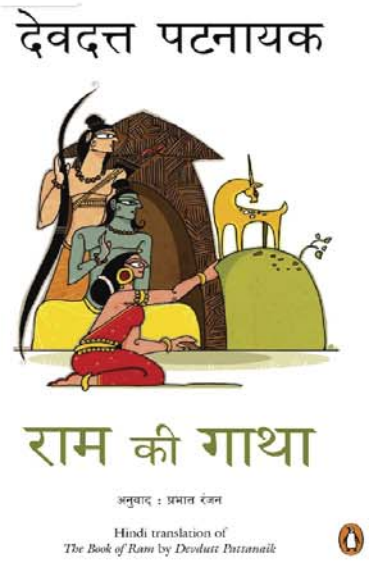

रामायण', मलयालम में एझुथाचन ने 'आध्यात्म रामायण' की रचना कर ली थी. इनके बाद तुलसीदास ने लिखी फिर मराठी में एकनाथ ने 'भावार्थ रामायण' लिखी. उल्लेखनीय है कि १७ वी शती में पंजाबी में सिक्खों के दसवें गुरु गोविन्द सिंह ने 'गोविन्द रामायण' की रचना की, १८ वी में कश्मीरी रामायण लिखी गई और अंत में १९ वी शती में ही गिरिधरदास ने गुजराती में 'गिरिधर रामायण' की रचना की. भारतीय व्यापारी रामायण को दक्षिण पूर्व एशिया लेकर गए और राम की कहानी अब इंडोनेशिया, थाई और मलय संस्तियों का अविभाज्य हिस्सा है जो वहां के रंगमंच, पुतली कला और शानदार भित्ति चित्रों का हिस्सा बन गया है.

वैसे तो बौद्ध धर्म और जैन धर्म ने मुख्य धारा के हिन्दू धर्म को खारिज कर दिया था पर वे राम को खारिज नहीं कर सके. बौद्ध धर्म में 'दशरथ जातक' की कथा है, जो ३०० ईस्वी पहले प्रात भाषा में लिखी गई थी जिसमें राम की पहचान पूर्व जन्म में बोधिसत्व के रूप में की गई है. यहां राम करुणा और बुद्धि के देवता हैं. इसी समय में जैन रामायणों में भी 'पद्म चरित' आया. यह अपभ्रंश में विमलश्री द्वारा लिखा गया है जिसमें राम को 'पद्म' के रूप में देखा गया और जिनमें जैनियों के सभी सद्गुण हैं. जैनी राम हिंसा नहीं करते इसलिए वे रावण को मारते भी नहीं हैं. यह काम अधिक उग्र लक्ष्मण के लिए छोड़ दिया गया.

गाँधी भजन की बहुप्रचलित पंक्ति का जिक्र है– "रघुपति राघव राजारामध्पतित पवन सीतारामध्ईश्वर अल्ला तेरो नामध्सबको सन्मति दे भगवान. इसे प्रसिद्द शास्त्रीय–भजन गायक विष्णु दिगंबर पलुस्कर ने संगीतबद्ध किया था और यह गाँधी की दांडी यात्रा के समय चलते हुए समूह स्वर में गाया जाता था. यह सत्रहवीं शताब्दी के मराठी संत कवि रामदास के एक पद पर आधारित था. इसमें स्वाधीनता संग्राम के समय में सद्भाव लाने के लिए 'अल्ला' शब्द गाँधी जी ने जोड़ा था लोगों को जोड़ने के लिए. जिसे लेकर आजकल विरोध किया जा रहा है. जबकि ऐसा कोई पहली बार नहीं हुआ है, हमारे पुराणों शास्त्रों में तो जोड़ तोड़ का इतिहास भी समृद्ध रहा है. शम्बूक वध की ही तरह सीता के परित्याग की कहानी भी बाद की ज्यादातर कथाओं और अनुवादों में संपादित कर दी गई है. दोनों ही असहज पाठ हैं. दोनों राम की न्यायप्रियता को चुनौती देते हैं.

रामायण कभी भी राम के जीवन की कहानी नहीं रही. यह कहानी इस बारे में है कि राम दूसरों के लिए किस तरह से जिए. उनकी कहानी बार बार लिखकर कथावाचकों में यह उम्मीद जगती है कि उनके माध्यम से वे खुद को और दूसरों को इसके लिए प्रेरित कर सकें कि वे वैसा जीवन जिएँ जैसा जीवन राम ने जिया था. (साभाररू देवदत्त पटनायक का ग्रंथ 'राम की गाथा').

निवास : मुक्त नगर, जिला–दुर्ग (छ.ग.)
लेखक संपर्क : 09009884014

छत्तीसगढ़ सहकारी साख समिति मर्यादित, सेक्टर-1

छत्तीसगढ़ सहकारी साख समिति मर्यादित, सेक्टर-1

पंजीयन – स.पं./उ.पं.दु./2149,दुर्ग, दिनांक 06.12.1976

जवाहर वर्मा
अध्यक्ष

श्रीमती वीणा देवांगन
उपाध्यक्ष

सियाराम
उपाध्यक्ष

भूपेन्द्र कुमार वर्मा
संचालक मंडल सदस्य

श्रीमती शैला
श्रीवास्तव

बेदनलाल

हेमचन्द्र
टिकरिहा

लक्ष्मी नारायण
देवांगन

लाल सिंह

शैलेन्द्र कुमार

मनोज कुमार साहू

रमाकांत वर्मा
प्रतिनिधि, जिला
सहकारी संघ दुर्ग

हुकुम लाल ठाकुर
प्रतिनिधि, जिला सहकारी
केन्द्रीय बैंक दुर्ग

एस.आर. कोसले
प्रतिनिधि, मां दन्तेश्वरी
शक्कर कारखाना बालोद

प्रगति-पत्रक 2022-23

- **कार्यशील पूंजी** : एक अरब, बाईस करोड़, उन्यासी लाख रुपये मात्र।
- **बीमा** : दुर्घटनावश अनफिट पर 3000/- रुपये प्रति सप्ताह एवं दुर्घटनावश मृत्यु प्रकरण पर 10,00,000/- रुपये संस्था से प्रदान किया जाता है।
- **लाभांश** : संस्था द्वारा वर्ष 2022-23 से सदस्यों को 11% लाभांश प्रदान किया जाएगा।
- **शाखाएं** : दल्ली राजहरा, नंदनी नगर, रिसालीसेक्ट रएवं सुपेला रामनगर।
- **अधिकतम ऋण** : 15,00,000/- (पंद्रह लाख रुपये)।
- **संचालकगण** : श्री भूपेन्द्र कुमार (नंदिनी), श्रीमती शेला श्रीवास्तव, श्री बेदनलाल, श्री हेमचंद टिकरिहा (सुपेला), श्री लक्ष्मीनारायण देवांगन (राजहरा), श्री लालसिंह (रिसाली), श्री शैलेन्द्र कुमार (रिसाली), श्री मनोज कुमार साहू।
- **प्रतिनिधिगण** : श्री रमाकांत वर्मा, जि. सह. संघ, दुर्ग ।
  श्री हुकुमलाल ठाकुर, जि. सह. के. बैंक, मर्या. दुर्ग । श्री एस.आर. कोसले, मां दंतेश्वरी सह. शक्कर कारखाना, बालोद, दुर्ग
- **बैंक प्रबंधक** : जगनीक यादव, संजय कुमार शर्मा, राजेश सिन्हा
  डी.आर. नेताम, विरेन्द्र कुमार कुर्रे

जगनीक यादव
प्रबंधक छत्तीसगढ़ सहकारी साख समिति
सेक्टर-01, भिलाई

वरिष्ठ साहित्यकार
कवि प्रदीप वर्मा

स्मृति शेष

छत्तीसगढ़ के गौरव - प्रदीप वर्मा

तुम्हारा जाना भी क्या जाना है
ऐसे भला जाता है कोई ?

डॉ. नलिनी श्रीवास्तव

सर्वशक्तिमान ईश्वर की प्रकृति, संतुलन की परिभाषा एक ही है वास्तविकता और कल्पना से परे उड़ान को अंजाम देना भी एक कला है। नियति का खेल भी अलौकिक है। जीवन एक पड़ाव है, एक अध्याय है, एक पाठ है, एक रास्ता है, एक मुकाम है।

वक्त बिना आहट के निकलते चला जाता है। इसका अहसास हमें तब होता है, जब हम अतीत के गलियारे में खो जाते हैं ऐसे समय में समुद्र की लहरों की भांति हमारे विचार आवा जाही करने लग जाते हैं।

छत्तीसगढ़ी भाषा की मिठास देखते ही बनता है। विदेशी लोग भले छत्तीसगढ़ की भाषा को समझ नहीं पाते परंतु उसके गुरूतर सुर ताल लय को सुनकर मोहित हो जाते हें उनकी करतल ध्वनि को सुनकर बोलने वाले छत्तीसगढ़ियों के खुशी का ठिकाना नहीं रहता। छत्तीसगढ़ी भाषा का व्याकरण हीरालाल काव्योपाध्याय ने लिखा है। धीरे–धीरे बहुत से लेखक छत्तीसगढ़ी लिखने लगे। डॉ. पालेश्वर शर्मा के "नाव के नेह में" और "सुसक झन कुररी सुरता ले"। इतना ही नहीं केयूरभूषण, नारायण लाल परमार, नरेन्द्र देव वर्मा की छत्तीसगढ़ी रचना देखने को मिलता है।

प्रदीप वर्मा जिला बलौदा बाजार अर्जुनी के मूल निवासी हैं। सरफोंगा जिला रायपुर उनका जन्म स्थान है। पढ़ाई खत्म कर इस्पात संयंत्र भिलाई में काम करने लगे। वर्मा जी भिलाई शहरी इलाके के रहने वाले हो गए। उनका साहित्य पढ़ने में विशेष रूचि थी इसीलिए वे स्वयं भी अपने सोच को लेखनी के माध्यम से लिपिबद्ध करने लगे।

दुर्ग जिला में आप वीणापाणि साहित्य समीति के अध्यक्ष निर्वाचित हुए। इस पद पर आप अपने अंतिम सांस तक बने रहे। भिलाई नगरी में कोई भी साहित्य गोष्ठी हो आप जरूर दिखाई देते थे।

"दोना पान" साहित्य के सांस्कृतिक कार्यक्रम आप की भागीदार विशेष महत्व रखती थी।

आपकी छत्तीसगढ़ी "दुवारी" काव्य संग्रह साहित्यकारों के बीच विशेष चर्चित रही।

पं. रविशंकर विश्वविद्यालय रायपुर के एच्छिक विषय एम.ए. छत्तीसगढ़ी का संदर्भ ग्रंथ के रूप में चयन किया गया।

वर्मा जी की यह सबसे बड़ी विशेषता थी कि वे अपने बारे में ज्यादा किसी को नहीं बतलाते थे। विनम्रता के साथ वे लेखनी के माध्यम से साहित्य सृजन करने में सदैव व्यस्त रहते थे। उनकी 'प्रेमदीप' किताब प्रकाश में आयी तथा सुरता छत्तीसगढ़ी संस्मरणात्मक लेखों को बहुत प्रशंसा किया गया। 2014 में भांवर किताब छत्तीसगढ़ी में प्रकाशित हुई। समाज के बिगड़ती स्थिति का आकलन कव वे अपनी लेखनी से अनवरत समाज को सही दिशा निर्देश देने के उद्देश्य से कहानी में अपने मन के सच्चे भावों को चरितार्थ करते थे। यही कारण पाठक समूह को वर्मा जी की कहानी में यही लगता मानो उनके आस पास की ही घटना है।

वर्मा जी अपनी लेखनी से जो चाहते थे उसे पात्रों के माध्यम से रोचक ढंग से व्यक्त किया करते थे। यही कारण है वे जितना विद्वान पुरूष थे इसकी वे कभी चर्चा नहीं करते थे। मान सम्मान से दूर अपने कार्य के प्रति निष्ठावान भाव से अपनी लेखनी को निरंतर सक्रिय गतिशील रखते नथ्ने। लोगों के बातों को सुनते थे। और मन में उन बातों पर विचार करते थे। मैं जब भी मिली मैने देख कि वे कभी किसी के बारे में कुछ भी अनर्गल बात नहीं करते थे, यह उनकी विशेषता है।

14 फरवरी 2024 बसंत पंचमी के दिन उनसे मुलाकात हुई। ढाई बजे आयोजन स्थल में पहुँच गए मैं और आचार्य महेशचंद्र शर्मा भी निश्चित समय में पहुँच गए। हम तीनों ने काफी बातचीत किए। मैने उन्हें हंसते हुए कहा था – अब आप अपनी स्कूटर को रिटायर्ड कर दीजिए। आपको बेटे या नाती नातिन के साथ आना जाना करना चाहिए। तब उन्होंने हंसते हुए कहा – मैं बहुत धीरे–धीरेचलाता हूँ। सिर्फ अंधेरा होने पर मुझे स्कूटर चलाने में तकलीफ होती है। अतः रात को कभी नहीं चलाता हूँ।

बसंत पंचमी के दिन समीक्षा गोष्ठी कार्यक्रम का वर्मा जी ने अध्यक्षता किया। आपके अनुभव की परिवक्ता से सधे हवए उनकी वाणी को हम सब ध्यान से सुनते रहे; पर मन में यह विचार बिलकुल नहीं आया कि हमारी यह आखिरी मुलाकात होगी ? 18 फरवरी को रात में बेटे बहू के साथ विवाह स्थल से लौट रहे थे तभी अचानक एमबुलैंस कार से टकरा घसीटा गए। वहीं पर तुरंत उनका प्राण पखेरू उड़ गए।

आज उनकी बातों को याद करते हुए मैं स्वयं भाव विव्हल हो रही हूँ। इसीलिए सर्वशक्तिमान से प्रार्थना करती हूँ कि उनके घर परिवार के सभी सदस्यों को उनके निधन को सहने की शक्ति दे। उनकी यादों को समेटती हुई अपनी भावांजलि अर्पित करती हूँ।

● ● ●

डॉ. नलिनी श्रीवास्तव

डॉ. नलिनी श्रीवास्तव छत्तीसगढ़ की जानी–पहचानी वरिष्ठ लेखिका है। हमने नवंबर–2017 से "छत्तीसगढ़ आसपास" में पाठकों के लिए "नई दिशा" प्रारंभ किये थे। इस स्तंभ में उनकी पहली कहानी "आरोही" प्रकाशित हुई थी। डॉ. नलिनी श्रीवास्तव की अब तक आरोही, तन्हाई की भूख, पोषक भक्षी, सतरंगी होली की बहार, ट्रेन चली गई , तांबें की अंगूठी, मेरी बेटी, पति के नाम पाती, अपनों का साथ , नाईन्टी नाईन नॉट आउट, विमोचन, इलाइची की शादी में लौंग दीवाना, काँच की दीवार, ताजपोशी,शुभ चिंतक , सोने का फूल, पांचवाँ धाम , मियाँ मिट्ठू , पेइंग गेस्ट ,चाँद की चौलाई , सिंदूर , जीवन का सत्य, काश! मैं राधा होती, जीवन ज्योति, दसोदा, धूप में खिली जिंदगी, निहारती पलकें, सिमटते दायरे, होली कल और आज, कवच, हरिसंगार के फूल, पानी की तलाश, आखिरी पड़ाव , जीवन साथी, पेइंग गेस्ट, दो पीढ़ियों का अन्तराल , बदलते परिवेश, वारिस कौन, अन्नप्राशन, ब्रज का कान्हा गाँव की गोरी रंग बरसाती देखी होली, परम सुख, ऐसी बात नहीं , भटकती मजिल, जमाने के साथ, सिंधु और कैक्टस की चुभन प्रकाशित हुई है। इस अंक में "कोहरे के साये में " प्रकाशित कर रहे हैं। पढ़ें और प्रतिक्रिया से अवगत कराये। – संपादक

कोहरे के साये में

मसूरी की वह सुबह आँखों में ज्यों की त्यों सहेज कर धरी रखी है। देहरादून के सर्पाकार रास्ते में बल खाती हमारी बस तेजी से चली जा रही थी। साथ में कालेज के आसामी लड़के लड़कियाँ की भी एक ग्रुप थी। नीला आकाश की वह रक्तिम आभा अपने स्वर्णिम रूप में समाहित होते चली जा रही थी। पिंजड़े से खुले पक्षी की तरह वे लड़के लड़कियाँ जोरों की आवाज करते गाने में मगन थी। मेरी समझ में उनकी आसामी भाषा कुछ भी नहीं आ रही थी। कभी कभी उनके संरक्षक महोदय भी मुस्कुरा पड़ते। कभी कभी हमारी बस धीरे धीरे ऊपर चढ़ाई करते हुए गहरी तराई को छोड़ते जा रही थी तो दूसरी ओर पर्वत का महाशिलाखण्ड नज़र आ रहा था, वहीं पर चढ़ाई खत्म हो जो ढाल शुरू हुआ कि कितने ही यात्री आँख बन्द कर लिए। किसी को उल्टी शुरू हो गई, कोई भगवान का नाम ले रहा है पर वे लड़के लड़कियाँ एक विचित्र आवाज़ कर जोरों से खिलखिलाकर हँस पड़े, मतलब न समझने पर भी उनकी आँखों से छलकती खुशी देख मैं भी हँस पड़ी।

मोटर स्टैण्ड पर पैर रखते ही चारों तरफ उड़ता हुआ कोहरा ही कोहरा नज़र आया। हाथ को हाथ नहीं सूझ रहा था पर सूर्य की किरणें कहीं कहीं पर चमकती हई इतनी सुन्दर लग रही थी कि पहली बार उन किरणों की आँख–मिचौली खेल को अपलक देखती रही। तभी मेरी नन्हीं बेटी रश्मि ने कहा, क्या हम लोग स्वर्ग में पहुँच गये हैं?सुनते ही मैं हँस पड़ी पर दूसरे ही क्षण मुझे लगा कि कितना सच ही तो पूछा– क्या मुझे भी यह अहसास नहीं हो रहा है? एक जगह रैलिंग के सहारे खड़े हो मैंने रश्मि को बतलाया 'यह मसूरी है।' वह देखो सामने क्षितिज है कितना नजदीक लग रहा है। हम लोग पृथ्वी से बहुत ऊपर आ गये हैं इसी से यह कोहरा हमारे अगल बगल में उड़ रहा है। जिस ओर देखें आँखें वहीं ठहर जाती, चारों ओर की सुन्दरता मन को मुग्ध किए जा रही थी। हमारा टूरिस्ट बस कुछ देर में "केम्पटी फाल" पहुँच गया।

वहीं अनायास यह घटना घट गई, जिसकी मुझे स्वप्न में भी कल्पना नहीं थी। ऐसा संयोग था कि उसकी सच्चाई को भी मैं नकार नहीं पाती। पहले तो लगा आँखों को धोखा हुआ फिर नहीं वह सच का ही भ्रम है पर जब उसने मुझे हिलाकर कहा, "मुझे पहचानो" तब मैं कितना डर गई। नहीं, कहकर एक प्रकार से मैं चीख पड़ी थी। इनके हाथों को कसकर पकड़ लिया पलट भी तो नहीं सकती थी, कहीं वह दुबारा न मिल जाये परन्तु उसकी खिलखिलाहट को तो मैं अनसूनी न कर सकी।

एक तो केम्पटी फाल का वह ढलान फिर छड़ी का सहारा लिए पहली पहल चढ़ने की कोशिश, उस पर कौन होगी, कौन होगी?सोचने को मजबूर होती मेरी मनःस्थिति .....नीचे की सुन्दरता देखते ही बन रही थी। बहुत ऊपर से गिरता हुआ पानी के वे कण चाँदी के चमकते सूर्य किरणों के साथ पल–पल अपना रूप बदलते जा रहे थे। सभी भाव विभोर हो कल कल की ध्वनि से ताल देते हुए, हवा के रूख से "केम्पटी फाल" की उस न्यारी लुभावने रूप को देख रहे थे जब आँखे ही उस अनुपम प्रकृति की सौंदर्य राशि को देख पलक मारना भूल गई तो फिर साहित्यिक विधाओं में पनपती अंकुर फूटती मेरी लेखनी की क्या बिसात..... .....परन्तु मैं अपनी छिन्न–भिन्न मनःस्थिति को भूल नहीं पा रही थी। इसी से मैंने कहा – ऊपर कितना अधिक चढ़ाई करना है। चलो जल्दी से जाकर बस में बैठ जाते हैं कहीं वह मुझे फिर तंग न करें?

अरे! डरते नहीं फर्क क्या पड़ता है, हो सकता है उसे ही धोखा हुआ हो, उन्होंने समझाते हुए कहा। तुम नहीं समझते उस बुढ़िया ने मुझे इतने जोर से झंझोड़ा यदि तुम वहाँ नहीं होते तो मैं गिर जाती। तभी आसपास के कितने ही लोगों की आवाज सुनाई दी। बुढ़िया नहीं है, यही कोई तीस चालीस की रही होगी। पर उसका चेहरा पूरा जल गया है, इसी से उसका विकृत रूप बहुत ही डरावना है। वहीं के निवासी एक फोटोग्राफर सज्जन ने कहा स्वभाव की वह बड़ी दयालु है। हो सकता है वह सचमुच आपको पहचान रही हो तो बात करने में हर्ज क्या है ? लेकिन इस बात के लिए मैंने अपने आप को आश्वस्त नहीं कर पा रही थी। सीधे बस में बैठे रही, उन्होंने कितना ही कहा पुलिया के पास कैम्पटीफाल का एक और निराला रूप है, उसे देख लो पर मैंने दूर से ही संतोष कर लिया, यहीं से देखूँगी। वहीं से गुजरती बस से एक ही पल में सबकुछ देखने की कोशिश करूँगी। सभी पुलिया के पास जा रहे थे । मन में दहशत दूर ही नहीं

हो रही थी, इधर उधर घुमावदार पहाड़ों की आड़ी तिरछी ऊँचे घने वृक्षों से लदी शिखरें कहीं गगन चुम्बित हो रही थी तो कहीं क्षितिज से खिलवाड़ करती अपनी वक्राकार गोलाई में घूमती नजर आ रही थी, तभी हँसी की उसी खिलखिलाहट ने पर्वतों से टकराती उस शांत वायुमण्डल ने मेरे मन में उथल पुथल मचा दी। वह हँसी चली जा रही थी कितनी उन्मुक्त वह हँसी थी, मैंने देखा एक हाथ में भजिया निकालती टोकरी में रखते जा रही थी। दो चार लोग बैठे थे उन्हें ही दोने में भजिया देती हुई कुछ बोले जा रही थी। किसी एक के कुछ बोलने में वह डरावनापन नहीं दिखाई दिया मुझे उसकी हँसी भी पूर्णतया अपरिचित नहीं लग रही थी, मैंने साहस कर अकेले ही बस से उतर भजिया लेने के लिए चली आई। मुझे देखते ही वह चुप हो गयी। मैंने उसे बड़े गौर से देखा पर कहीं कोई पहचान नजर नहीं आ रही थी। उसके बाल भी कुछ विचित्र प्रकार के लग रहे थे। कहीं बड़े कहीं छोटे शायद महीनों से सफाई नहीं हुआ होगा। कई महीनों से वह कंगी भी नहीं की होगी। नारी सुलभ सौंदर्य राशि की जितनी उपेक्षा कर सकती थी उसमें कोई कमी नहीं की थी। मोटे कपड़े की लुंगी उस पर साधारण की साड़ी को अस्त व्यस्त कहीं से भी लपेटे रखी थी पर नारी की स्वभावगत लज्जा का उसे पूरा अहसास था। इसी से उसके पगली न होने का पूर्ण रूप से आश्वासन मिल रहा था। मैंने भी एक दोना भजिया मांगा, यह सुनते ही उसकी जबान कैंची की तरह चलने लगी। ठीक है दूंगी पर पैसा नहीं लूंगी तुमसे। यह सुनते ही मैं उसे देखते रही। उसका दोना से भरा भजिया हाथ को स्वीकार नहीं कर सकी। आवाज भी कहीं सुना है कुछ याद नहीं, कहाँ सुना है किसकी हो सकती है ?मैं बिना भजिया लिए वापस चली आई। वह जोर से कहने लगी यहाँ मैं अपने मन की मालिक हूँ जिसकी मर्जी होगी दूँगी, कोई क्या कर सकता है ?चलो भाई पैसा निकालो और भजिया ले लो उसे जाने भी दो कहकर वह फिर हँस पड़ी।

तभी पुलिया के पास से केम्पटीफाल की मोहक छबि को देख सभी वापस आ रहे थे कितने ही लोग सीधे बस में जाकर बैठ गये पर अधिकतर लोगों के हाथ में भजिया का दोना रखे हुए थे। कोई ऊनी कोट सम्भाल रहा था, किसी को अपनी अटैची की परवाह है तो कोई अपना शाल समेट रहा था। तभी रश्मि अपने पापा के साथ दोनों हाथों में भजिया लेकर आ पड़ी वह बोल पड़ी मम्मी वह भजिया वाली हम लोगों से पैसा नहीं ले रही थी तब पापा ने उसे एक ही दोना देने को कहा। इस पर उसने बड़ी मुश्किल से पैसा ले लिया। मैने झल्लाते हुए कहा– क्या हो गया ?वह होगी तुम्हारी कोई नानी या मौसी, इसी से उसने हमें बिना पैसा लिए भजिया दे रही थी। रश्मि ने तो यहाँ उतरते ही कहा था यह स्वर्ग है क्या ? लेकिन तुम्हारे लिए तो सचमुच ही स्वर्ग हो गया।

यह सुनते ही बस में बैठे कितने ही लोग खिलखिला कर हँस पड़े। मैं मन ही मन आक्रोश को दबाती रही! न वह भजिया खा सकी न उसे फेंकने का साहस हुआ। रश्मि को बड़े चाव से भजिया खाते देखती रही। साथ ही अतीत की गहराई में मन को कुदेरती रही पर मुझे उसे पहचानने की कोई सुराग नहीं मिल पा रहा था। वह तो एक पहाड़ी लड़की की तरह निर्भीक थी। बोली भी शुद्ध पहाड़ी नज़र आ रही थी। कहाँ हम लोग रायपुर जिला के आगे जाने की बात तो हमारे घर परिवार वालों के लिए चन्द्रलोक की यात्रा के समान कठिन है। कहीं आसपास आने जाने में इतना अधिक घबराते थे। यात्रा की बात पर मैंने देखा है कि घर के सभी लोगों के लिए विशेष तकलीफ दायक थी। मेरे दादा जी गाँव के शुद्ध वातावरण में रहते हुए सात्विक भोजन करते आराम से जीवन के सत्तर–अस्सी वर्ष बिना किसी कठिनाई के सुख पूर्वक बिता दिए। उनके लिए तीर्थयात्रा जाने की बात भी इतना कष्टदायक था कि भगवान की भक्ति करते हुए मन में यही संतोष कर लेते कि "मन चंगा तो कठौती में गंगा।"

एक दिन बाबू जी का पत्र आया। गजेन्द्र की शादी तय हो गई है। हम लोगों को विशेष रूप से लिखा गया था कि शादी के कुछ दिन पूर्व आने का निमंत्रण था। मैं भी खुश थी कि मायका जाने का मौका आया है। मायके के देहरी लाँघते ही न जाने क्या हो जाता है कि में भी बच्ची बन जाती हूँ। अम्मा बाबू जी से मिलकर अपनी सुखद यात्रा की कितनी ही बातें करते करते दिन रात का पता ही नहीं चल रहा था। दो दिन बाद मेरी छोटी बहन गुड्डी आई। उसे मिलने पर दोनों दोपहर में अम्मा के कमरे में बैठे कितनी ही भूली–बिसरी बातें करते रहे। अचानक गुड्डी को कुछ याद आया वह कहने लगी। आपने सुना है मेरी सहेली रमा की क्या दुर्गति हुई?मैंने आश्चर्य से पूछा – क्या हुआ उसे?गुड्डी ने बतलाया कि रमा के पति ने ज्यादा पी लिया था। रमा की बार–बार उसकी सास हमेशा की तरह कुछ ज्यादा शिकायत करने लगी। सुनते ही रमा के पति ने गुस्से में आकर उस दिन तेजाब से भरी शीशी रमा के चेहरे में फेंक दिया। रमा बहुत रोई चिल्लाई। चेहरे की रंगत ही बदल गई थी। दर्पण देखते ही वह विक्षिप्त हो जाती थी। कुछ दिनों बाद पता चला कि रमा घर से कहीं चली गई। बहुत पता लगाने की कोशिश किया गया लेकिन उसका कुछ पता नहीं चला।

रमा की बात करते ही मसूरी की भजिया वाली की आवाज़ जानी पहचानी लगने लगी लेकिन उसके चेहरे की कुरूपता में रमा के रूप सौंदर्य के लावण्य की कल्पना मात्र से मै सिहर गई। कोहरे के साये में बनते मिटते आकृति को मैं खोजती रह गई।

● ● ●

संपर्क :–
"शिवायन",3–बी, सड़क–33, सेक्टर–1, भिलाई
मोबा. : 9752606036

जरा हटके : अंक- 110

▸ वीरेन्द्र ओगले
कार्टूनिस्ट संपर्क : 09407980657

पंजीयन क्रमांक : संपरा/पंजीयन/95/13

प्रगति महिला नागरिक सहकारी बैंक मर्यादित

भिलाई-दुर्ग

मुख्य शाखा : भवन क्रं. 11, 'ए' मार्केट, सेक्टर-2, भिलाई, जिला-दुर्ग (छ.ग.)
दुर्ग शाखा : आई.एम.ए. चौक, रानी लक्ष्मीबाई शाला परिसर, मोहन नगर, दुर्ग (छ.ग.)
संपर्क - मुख्य शाखा - 2223842, 2226242, दुर्ग शाखा - 4012413, 2333080

"हम आपकी भावनाओं को समझते हैं"

श्रीमती अश्विनी नागले
अध्यक्ष

"आकर्षक ब्याज दर पर ऋण सुविधाऐं"

- HOUSING LOAN 8.75%
- VEHICLE LOAN 8.75%
- GOLD LOAN 9%
- SALARY LOAN 14.50%
- MORTGAGE LOAN 11%
- OVERDRAFT LOAN 11%
- BUSINESS LOAN 11%
- IOA NAGA INST DEPOSIT

अन्य सुविधाऐं :-

1. ATM, RUPAY DEBIT CARDपर 2,00,000/- का दुर्घटना बीमा।
2. लॉकर्स उपलब्ध।
3. DD/RTGS/NEFT/IMPS/CTS Clearing/NACHकी सुविधा।
4. DBTLके माध्यम से गैस सब्सिडी सीधे आपके खाते में।
5. ATM CARD से ऑनलाईन खरीददारी एवं बिल भुगतान की सुविधा (DTH, Mobile Recharge, Electricity Bill, Railway Ticket etc.)
6. भारत में किसी भी पर नगद निकासी की सुविधा।
7. सावधि जमा, आवर्ती जमा, मासिक/त्रैमासिक/अर्धवार्षिक आय योजना।
8. वरिष्ठ नागरिक जमा योजना 0.50% अतिरिक्त ब्याज दर।

555 दिन की जमाओं पर 7.25%* वरिष्ठ नागरिक 7.50%*

श्रीमती अश्विनी नागले	श्रीमती बृजलता चौबे	श्रीमती सुषमा चन्द्राकर
अध्यक्ष	उपाध्यक्ष	उपाध्यक्ष

संचालक मंडल - श्रीमती सुचिता राजहंस, श्रीमती निलिमा सगदेव, श्रीमती निहारिका राजे, श्रीमती प्रियंका जैन, श्रीमती कीर्ति टाटीबंदवाले, श्रीमती शीबा प्रभाष, श्रीमती पुष्पलता नेताम, श्रीमती शुभदा कामड़े, श्रीमती मीता बैनर्जी, श्रीमती लक्ष्मी प्रकाश वैद्य, श्रीमती संगीता बंछोर, श्रीमती अंशु चड्डा (बैंकिंग विशेषज्ञ), श्रीमती मोनिषा सिंह (सी.ए.)।

प्रतुल परशुराम भेलोंडे	मुकुन्द भोम्बे	श्रीमती विनीता श्रीवास्तव
मुख्य कार्य. अधिकारी	प्रबंधक	सहा. प्रबंधक

श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री

हमने बनाया है
हम ही संवारेंगे

मोदी की गारंटी
विष्णु का सुशासन

श्री विष्णु देव साय
माननीय मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

त्वरित निर्णय के 2 माह

अन्नदाताओं के लिए

- 13 लाख किसानों को धान के बकाया बोनस की राशि 3716 करोड़ रुपए तत्काल जारी करने का निर्णय
- किसानों से प्रति एकड़ 21 क्विंटल धान खरीदी का निर्णय
- 'कृषक उन्नति योजना' के तहत 10,000 करोड़ रुपये का प्रावधान

ग्रामीणों के लिए

- 50 लाख ग्रामीण परिवारों को निःशुल्क नल कनेक्शन के लिए 4,500 करोड़ रुपये का प्रावधान

गरीबों के लिए

- 69.92 लाख गरीब परिवारों को पांच वर्षों तक निःशुल्क राशन प्रदाय का निर्णय
- प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत 18 लाख घरों के निर्माण के लिए 8,369 करोड़ रुपये का प्रावधान
- 'दीनदयाल उपाध्याय कृषि मजदूर कल्याण योजना' में खेतिहर मजदूरों को 10,000 रुपये वार्षिक सहायता का निर्णय

महिलाओं के लिए

- 'महतारी वंदन योजना' के तहत महिलाओं को प्रतिमाह 1000 रुपए की दर से वार्षिक 12,000 रुपए आर्थिक सहायता का निर्णय

युवाओं के लिए

- पीएससी परीक्षा घोटाले की सीबीआई जांच का निर्णय
- युवा स्वरोजगार को बढ़ावा देने के लिए छत्तीसगढ़ उद्यम क्रांति योजना लागू करने का निर्णय
- पुलिस विभाग सहित विभिन्न शासकीय भर्तियों में युवाओं को निर्धारित आयु सीमा में 5 वर्षों की छूट का निर्णय

सभी छत्तीसगढ़वासियों के लिए

- अयोध्या यात्रा के लिए 'रामलला दर्शन योजना' लागू करने का निर्णय

आदिवासियों के लिए

- तेंदूपत्ता संग्राहकों को 4,000 रुपये प्रति मानक बोरा से बढ़ाकर 5,500 रुपये प्रति मानक बोरा भुगतान का निर्णय

छत्तीसगढ़ के त्वरित विकास के लिए

- कटघोरा से डोंगरगढ़ रेल लाइन निर्माण के लिए 300 करोड़ रुपए का प्रावधान

सामान्य परिवारों के लिए

- प्रति माह 400 यूनिट तक आधे दाम पर बिजली प्रदाय का निर्णय

भ्रष्टाचार निवारण के लिए

- शासकीय योजनाओं के क्रियान्वयन की निगरानी के लिए 'अटल मॉनिटरिंग पोर्टल' की स्थापना का निर्णय
- कोल परिवहन की पारदर्शी प्रक्रिया के लिए ऑनलाइन परमिट व्यवस्था लागू करने का निर्णय

छत्तीसगढ़ी संस्कृति के संरक्षण व संवर्धन के लिए

- छत्तीसगढ़ के ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्व के स्थल राजिम के वैभव को फिर से स्थापित करने के लिए राजिम कुंभ (कल्प) के आयोजन का निर्णय

NAMO app
डाउनलोड करने के लिए
यह क्यूआर कोड स्कैन करें

मुख्यमंत्री कार्यालय का
व्हाट्सएप चैनल
सब्सक्राइब करने के लिए
यह क्यूआर कोड स्कैन करें

सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास

Visit us : ChhattisgarhCMO ChhattisgarhCMO ChhattisgarhCMO ChhattisgarhCMO DPRChhattisgarh DPRChhattisgarh www.dprcg.gov.in छत्तीसगढ़ जनसंपर्क

छत्तीसगढ़ संवाद/आर.ओ. 12756/173